डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 97 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 15 जनवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

अयोध्या धामः रामलला की प्रतिष्ठा के दिन रहेगा अवकाश

सरकार कराएगी भजन मंडलियों की प्रतियोगिता, उत्सव का रहेगा माहौल

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या धाम में 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा पर मध्यप्रदेश में भी उत्सव जैसा माहौल रहेगा। भोपाल समेत प्रदेश के सभी सरकारी भवनों पर लाइटिंग की जाएगी। प्रदेश सरकार की ओर से समारोह को लाइव दिखाने के इंतजाम किए जाएंगे। इसके लिए 22 जनवरी को सरकार अवकाश घोषित करने जा रही है। सभी पंचायतों में भजन मंडलियों के बीच भजनों की प्रतिस्पर्धा कराकर पुरस्कृत किया जाएगा।

मध्यप्रदेश सरकार अगले एक सप्ताह को राममय बनाने की तैयारी में जुटी है। सरकार भी चाहती है कि सभी 23 हजार ग्राम पंचायतों में 22 जनवरी तक श्रीराम कथा सप्ताह मनाया जाए। इस दौरान श्री राम भजन, रामकथा वाचन, रामचरित मानस पाठ, राम रक्षा स्तोत्र समेत भगवान राम की स्तुति वाले अन्य कार्यक्रम किए जाएं। इसके अलावा, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परिचर्चा, नृत्य नाटिका, भजन संध्या, रंगोली के भी कार्यक्रम किए जाएंगे।

26 जनवरी को वितरीत होंगे पुरस्कार-प्रमाण पत्र...

पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों के जिला पंचायत सीईओ को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि ये सभी कार्यक्रम बाकायदा प्रतियोगिता के तौर पर कराए जाएं, ताकि इसमें पंचायत स्तर पर पहला, दूसरा और तीसरा स्थान पाने वाले भजन मंडलियों और चयनित अन्य कलाकारों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से प्रमाण पत्र दिया जा सके। सरकार ने तय किया है कि रामलला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के बाद 26 जनवरी को इन मंडलियों और कलाकारों को जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण किया जाएगा। यह पुरस्कार स्थानीय स्तर पर मंत्री, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष या स्थानीय प्रतिष्ठित नागरिकों, धर्मगुरुओं, साधु-संतों के माध्यम से दिया जाएगा।

रविवार को भी मनाया....

मकर संक्रांति पर्व

जमकर बिकी पतंगे, खनकने लगे गिल्ली डंडे, इस साल संक्रांति आज

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। वैसे तो इस साल 15 जनवरी अर्थात आज सोमवार को मकर संक्रांति का पर्व है। लेकिन, एक दिन पहले भी कई जगह पर मकर संक्रांति मनाई गई। दानपुण्य का दौर चला। धानमंडी में हर साल की तरह नारायण सेवा की गई। यहां विधायक विपीन जैन, पार्षद सुनील बंसल सहित अन्य व्यापारियों द्वारा गरीबों को भोजन कराया गया। इसके अलावा रविवार होने की वजह से मैदानों में गिल्ली डंडे का खेल जमकर चला। इसके अलावा बाजार में पतंग और मांझा खरीदने वालों की भीड़ रही। हालांकि, आसमान में पतंगे काफी कम दिखाई दी।

अंचल में मकर संक्रांति को लेकर काफी उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। एक दिन पहले बाजार में पतंगों से लेकर गिल्ली-डंडों की जमकर बिक्री शुरु हो गई। वहीं तिल गुड़ से बनी मिठाईयो की डिमांड रही। शहर के मुख्य बाजारो से लेकर गणपती चौक में पतंग, मांझे, गिल्ली डण्डा, और गजक की दुकाने सजी है। खासकर रविवार के बाद सोमवार होने से इस बार पतंगबाजी और गिल्ली डण्डे का मजा दो दिन रहेगा। इस बार मगर संक्रांति 15 जनवरी को परम्पपरागत रुप से मनाई जाएगी। आज तिल गुड़ से बनी मिठाइया और पतंग के पेंच खूब लड़ेंगे। वही मकर संक्रांति के साथ ही मांगलिक कार्यो की शुरुआत भी हो जाएगी। खरमास के चलते मांगलिक कार्यों पर ब्रेक लगा हुआ था। सनातन पंचांग के मुताबिक, सूर्य नारायण 14-15 जनवरी की दरमियानी रात करीब 2.43 मिनट पर धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। ऐसे में 15 जनवरी को संक्रांति पर्व मनाया जाएगा। मकर संक्रांति के पर्व पर पवित्र नदियों में स्नान करने, दान पुण्य करने का खास महत्व है।

ज्योतिषाचार्यो के अनुसार 15 जनवरी को सूर्य देव संक्रांति पर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इसलिए इसे मकर संक्रांति कहते हैं। सूर्य 14 जनवरी की रात्री में मकर राशि में प्रवेश कर लेंगे। लेकिन, उदय काल 15 जनवरी को है। इसलिए इस साल मकर संक्रांति 15 जनवरी को मनाई जाएगी। इस दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण होते हैं। इसके साथ ही धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। मकर राशि में भगवान आदित्य के प्रवेश करने के कारण ही इस पर्व को मकर संक्रांति कहा जाता है। इस पर्व के साथ ही करीब एक महीने से जारी खरमास समाप्त होता है और रुके हुए सभी शुभ कार्य एक बार फिर से प्रारंभ हो जाएंगे। साथ ही साथ इस दिन भगवान सूर्य एक माह के लिए अपने पुत्र शनि के घर आते हैं। चंद्र मान में सबसे महत्वपूर्ण त्योहार मकर संक्रांति है। इस त्योहार से वसंत ऋतु का आगमन हो जाता है।

चायना मांझे का खतरा...

चायनीज मांझे के प्रतिबंध के बाद भी चोरी छिपे बिक रही है। कोतवाली

पुलिस ने स्नेह नगर में एक जगह कार्रवाई कर चायनीज मांझे को जब्त भी किया। इसके अलावा रविवार के दिन कुछ जगहों पर पक्षियों के घायल होने की खबरे भी आई। वहीं दलौदा में बाइक सवार प्रतिक पिता श्रीपाल धोका उम्र 35 वर्ष प्रगति चौराहे पर घायल भी हुआ। इसके बाद पुलिस ने कई दुकानों पर पहुंचकर जांच पड़ताल भी की।

मेडिकल कालेज अस्पतालों में ढाई सौ से अधिक तरह की जांचे होगी, दवाओं की संख्या भी बढ़ेगी

भोपाल, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कालेजों से संबद्ध अस्पतालों में जांचों और दवाओं की संख्या बढ़ेगी। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के निर्देश के बाद विभाग ने इसकी तैयारी कर ली है। अस्पतालों में पिछले वर्ष से जांचें सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) से की जा रही हैं। अभी कुल मिलाकर 80 तरह की जांचें हो रही हैं। अब इनकी संख्या 260 तक करने की तैयारी है। सभी जांचें निःशुल्क रहेंगी। इसके अतिरिक्त सभी दवाएं रोगियों को मिल सके, इसके लिए बजट भी बढ़ाया जा रहा है।

सभी अस्पतालों से उपलब्ध नहीं रहने वाली दवाओं की सूची मांगी गई है, जिससे उनकी खरीदी कारपोरेशन के माध्यम से की जा सके। पिछले सप्ताह समीक्षा बैठक में अस्पताल अधीक्षकों और डीन ने दवाओं की उपलब्धता नहीं होने की बड़ी वजह बजट का अभाव बताया था। इस पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा था कि अत्यावश्यक दवाओं की सूची (ईडीएल) में शामिल दवाएं रोगियों को हर हाल में मिलनी चाहिए, इसके लिए बजट की कमी नहीं आएगी।

हार्ट मार्कर, कैंसर से जुड़ी महत्वपूर्ण जांचें होने लगेंगी...

लेखानुदान में दवाएं व अन्य सामग्री के लिए बजट का प्रविधान किया जाएगा। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि जांचों की संख्या बढ़ने पर दिल की बीमारियों का पता लगाने के लिए हार्ट मार्कर, कैंसर से जुड़ी प्रोटीन संबंधी महत्वूपर्ण जांचें होने लगेंगी। अभी इन जांचों के लिए निजी केंद्रों में रोगियों को तीन हजार से चार हजार रुपये तक खर्च करना पड़ता है। बढ़ी हुई जांचों की सुविधा मार्च से मिलने की उम्मीद है।

खदानों की होगी जियो फेंसिंग, एक क्लिक पर देखी जा सकेगी खदान की स्थिति, रुकेगा अवैध खनन

भोपाल, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश की खदानों की जियो फेंसिंग की जाएगी। खनिज साधन विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे जिलों की खदानों से इसकी शुरुआत की जाएगी। जियो फेंसिंग के बाद खदानों की स्थिति एक क्लिक पर आनलाइन देखी जा सकेगी। इनमें रेत खदानों के अलावा मुख्य खनिज की खदानों की भी जियो फेंसिंग होगी और अवैध उत्खनन पर आनलाइन नजर रखी जा सकेगी। इसका कंट्रोल रूम भोपाल में होगा।

फेंसिंग के बाहर खनन प्रतिबंधित...

गतिशक्ति पोर्टल पर भी इसका पूरा मैप उपलब्ध होगा। जियो फेंसिंग के बाहर खनन प्रतिबंधित होगा। अगर फेंसिंग के बाहर खनन किया जाता है तो कंट्रोल रूम में अधिकारियों को तत्काल इसकी जानकारी मिलेगी। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक रेत खदानों का ड्रोन से सर्वे कराया जाएगा। इसके लिए शासन के ड्रोन के अलावा ड्रोन उपलब्ध कराने वाली निजी

कंपनियों की भी सेवाएं ली जाएगी। प्रदेशभर की रेत खदानों का सर्वे कराया जाएगा। इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम भी बनाया जा रहा है। रेत खदानों की पर्यावरण स्वीकृति भी आनलाइन होगी। इसे भी सिंगल विंडो सिस्टम से जोड़ा जाएगा और आनलाइन ही रेत खदान की पर्यावरण स्वीकृति मिल जाएगी।

अवैध उत्खनन पर रहेगी नजर...

राज्य सरकार सिंगल विंडो सिस्टम भी तैयार कर रही है। इसमें ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि पोर्टल पर ही खदानों की वास्तविक स्थिति देखी जा सकेगी। साथ ही अगर नई खदान की स्वीकृति देनी है तो पोर्टल पर दर्ज मैप देखकर यह पता लगा लिया जाएगा कि आवंटित की जाने वाली खदान की भूमि पर वन क्षेत्र तो नहीं हैं। इसके अलावा जियो फेंसिंग होने से अवैध उत्खनन और भंडारण को रोका जा सकेगा।

युवा कांग्रेस शुरू करेगी 'न्याय दो, रोजगार दो' अभियान

कार्यकर्ता घर-घर जाकर बाटेंगे पोस्ट कार्ड

भोपाल, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा चुनाव की तैयारी में भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश में 460 स्थानों पर नवमतदाता सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है तो युवा कांग्रेस भी इसके मुकाबले की तैयारी में जुट गया है। युवा कांग्रेस पूरे प्रदेश में इसी माह से 'न्याय दो, रोजगार दो' अभियान शुरू करने जा रहा है। इसमें युवा कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर पोस्टकार्ड बांटेंगे। इसके माध्यम से वह लोगों से संपर्क कर बेरोजगारी के मुद्दे को उठाएंगे।

कार्यकर्ता करेंगे डोर टू डोर कैंपेंन...

अभियान में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचकर केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर लोगों से बात करेंगे। यह सभी विषय पोस्टकार्ड में भी उल्लेखित रहेंगे। इसके लिए हर जिले में अलग से टीम बनाई जाएगी, जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी के प्रमुख पदाधिकारी भी शामिल होंगे। संपर्क के दौरान प्रदेश में 15 माह की कमल नाथ सरकार की उपलब्धियों के बारे में भी बताया जाएगा। इसके अतिरिक्त युवा कांग्रेस भारत जोड़ो न्याय यात्रा में युवाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए इंटरनेट मीडिया पर अभियान चलाएगा। बता दें कि राहुल गांधी की न्याय यात्रा मार्च के पहले सप्ताह में प्रदेश में प्रवेश करने की उम्मीद है। यह यात्रा रविवार को पूर्वोत्तर से शुरू हो चुकी है।

इनका कहना...

'न्याय दो, रोजगार दो' अभियान की रूपरेखा तैयार की जा रही है। हम घर-घर जाकर पोस्टकार्ड बांटेंगे और लोगों से बात करेंगे।

विक्रांत भूरिया, अध्यक्ष, मप्र युवा कांग्रेस।

घर में मिले दंपति के शव

पति ने लगाई फांसी, पत्नी भी मृत अवस्था में मिली

शामगढ़, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। ग्राम बकाना में एक दपंति अपने मकान मे मृत अवस्था में मिलें। इनमें सत्यनारायण पिता बापूलाल उम्र 45 वर्ष मकान की छत से रस्सी से लटके हुए पाया गया तो उसकी पत्नि कलावती पति सत्यनारायण 40 वर्ष का शव उसके ही नीचे पलंग पर मिला।

शामगढ़ थाना पुलिस के अनुसार घटना शनिवार-रविवार की दरमियानी रात की बताई जा रही है। रविवार सुबह साढ़े सात बजे जब मृतक के दोनों पुत्र जागे तो उन्होनें माता पिता को देखा, नही दिखे तो पिता के कमरे को गए। यहां पिता सत्यनारायण फंदे से लटके हुए थे। माता कलावती नीचे ही पलंग पर मृत अवस्था में मिली। बच्चों ने आसपास के रहवासियों को बुलाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना कर दोनों के शव शामगढ़ के सरकारी अस्पताल लाए। जहां पोस्टमार्टम किया गया। टीआई राकेश चौधरी ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला आत्महत्या का प्रतित हो रहा है। हालांकि जांच के बाद ही साफतौर पर कुछ कहा जा सकेंगा।

सड़क क्रॉस करते समय बाइक चालक ने मारी टक्कर, मौत

नीमच, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के गुप्ता हॉस्पिटल पुलिया से डाक बंगले के बीच सिंहल हॉस्पिटल के सामने एक हादसा हो गया। जिसमें मेडिकल से दवाई लेकर अपनी कार में बैठने पैदल सड़क क्रॉस कर रहे ट्रांसपोर्ट व्यवसायी को अज्ञात बाइक चालक ने टक्कर मार दी। बाइक की टक्कर से महावीर बाफना उम्र 55 वर्ष डिवाइडर से टकराकर सड़क पर गिरे। जिससे उनके सिर व कान से खून बहने लगा। उन्हें तत्काल पहले सिंहल हॉस्पिटल और बाद में बड़े अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रविवार को परिजनों की मौजूदगी में बड़े में शव का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। इस मामले में नीमच सिटी थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु कर दी हैं। सड़क दुर्घटना में महावीर बाफना के निधन के समाचार से परिजनों, समाजजनों, रिश्तेदारों व परिचितों में शोक व्याप्त हो गया है।

बताया जा रहा है कि महावीर बाफना को टक्कर मारने वाले बाइक चालक को भी चोट लगी थी। उसे भी सिंहल हॉस्पिटल ले जाया गया था। मगर बाद में बाइक चालक के दोस्त उसे हॉस्पिटल से अपने साथ ले गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज व अन्य माध्यमों से आरोपी बाइक चालक की तलाश में जुटी हुई है। फिलहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

बहुचर्चित फर्जी वसीयत मामले में न्यायालय ने पुन: जांच के दिए आदेश

आरोपी पालीवाल बंधुओ को बचाने में लगी पुलिस, अनुसंधानकर्ता अधिकारी की भूमिका पर उठ रहे सवाल

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। एक विधवा महिला के पति की अकस्मात मृत्यु हो जाती है। उसके छोटे बच्चे भी है। पति की मौत के बाद महिला अपने बच्चों की परवरिश में लग जाती है। परिवार के अन्य लोग जिन्हें विधवा महिला को सांत्वना देनी चाहिए, उसकी मदद करनी चाहिए। इसकी बजाय परिवार के लोग कूटरचित दस्तावेज तैयार करके विधवा महिला के पति के नाम की स्वअर्जित संपत्ति हड़पने का प्रयास कर रहे है। इस मामले का पर्दाफाश होने पर तत्कालीन पुलिस कप्तान के निर्देश पर मामला दर्ज हो गया। लेकिन, बाद में सिटी कोतवाली पुलिस आरोपियों को बचाने में लग गई। फौरी जांच के बाद न्यायालय में खात्मा पेश कर दिया गया। लेकिन, न्यायालय ने खात्मे को अस्वीकार कर पुनः जांच के आदेश दिए है।

मामले में न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मंदसौर पुलिस के खात्मा रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा है कि खात्मा प्रतिवेदन स्वीकार किए जाने के कोई आधार नहीं होने से उक्त खात्मा प्रतिवेदन अस्वीकार किया जाता है और इस निर्देश के साथ केस डायरी वापस की जाती है कि प्रकरण में और विवेचना कर विधिवत कार्यवाही करें।

मामला विधवा महिला गीता देवी पालीवाल निवासी मंदसौर हाल मुकाम नीमच का है। जिसकी बेशकीमती जमीन जो उसके पति की स्व अर्जित संपति थी, उस संपति को विधवा महिला के जेठ राजेंद्र प्रसाद उसके पुत्र आरोपी विशाल पालीवाल, विकास पालीवाल एवं राहुल पालीवाल पिता राजेंद्र प्रसाद पालीवाल ने मिलकर फर्जी वसीयत के आधार पर विधवा महिला की सारी बेशकीमती संपत्ति राजस्व अधिकारियों, कर्मचारियों से मिलकर अपने नाम करवा ली। महिला को जब इस बात की भनकलगी और उसने राजस्व कार्यालय के चक्कर काटे तो उन्होंने नियमों को ताक में रखकर अपने पद का दुरुपयोग कर महिला की एक नहीं सुनी।

आखिरकार महिला को पुलिस का सहारा लेना पड़ा, तत्कालीन पुलिस कप्तान श्री सुनील पांडे के निर्देश पर सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपी राजेंद्र प्रसाद पालीवाल उसके पुत्र विशाल पालीवाल, विकास पालीवाल और राहुल पालीवाल के खिलाफ 21 जनवरी 2022 को अपराध धारा 420, 467, 468, 120 बी के तहत मामला दर्ज किया था। सिटी कोतवाली पुलिस में पुलिस कप्तान के निर्देश के बाद एफआईआर दर्ज होने के बाद महिला को उम्मीद जग गई थी कि उसे अब न्याय मिल जाएगा। लेकिन जांच अधिकारी ने महिला की मदद करने के बजाय आरोपियों की मदद की और उन्हें बचने के तरीके बताएं। जिस वसीयत के आधार पर जमीन का नामांतरण हुआ था, उसकी यशोधर्मन नगर थाने में मूल प्रति गुम होने की एफआईआर दर्ज करवाई गई। ताकि आरोपियों के द्वारा जो फर्जी वसीयत पेश की गई थी, इसलिए ओरिजिनल पेश नहीं करना पड़ा इस तरह आरोपियो को बचाने का प्रयास किया गया। एफआईआर दर्ज करने के बाद 2 साल बीत गए पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के कोई प्रयास नहीं किया। बल्कि आरोपियों को बचाने का प्रयास किया गया। पुलिस द्वारा न्यायालय में खारजी की कार्रवाई करने पर महिला ने आपत्ति दर्ज करवाई। विधवा महिला ने न्यायालय को बताया कि अभियुक्त गण द्वारा उसके पति के नाम से फर्जी वसीयत एवं बटवारा लेख तैयार कर उनके नाम की कृषि भूमि उसके नाम पर कराकर उसके व उसके परिवार के साथ धोखाधड़ी कर छल कारित किया है। पुलिस की कार्रवाई से वह संतुष्ट नहीं है। पुलिस द्वारा खारजी की कार्रवाई पर उसे आपत्ति है। पुलिस द्वारा प्रस्तुत खारजी को स्वीकार न किया जाए। क्योंकि, पुलिस ने असल वसीयत एवं बटवारा लेकर जप्त नहीं किया है।

न्यायालय ने महिला की आपत्ति स्वीकार करते हुए पुलिस को निर्देशित किया की अभियुक्त राजेंद्र प्रसाद पालीवाल उसके पुत्र विशाल पालीवाल, विकास पालीवाल और राहुल पालीवाल द्वारा उसके साथ आरक्षी केंद्र शहर कोतवाली के अपराध धारा 420, 467, 468 भारतीय दंड संहिता के तहत दंडनीय अपराध कारित के संबंध में जो विवेचना हुई है, वह विधिवत नहीं है। ऐसी स्थिति में खात्मा प्रतिवेदन स्वीकार किए जाने के कोई आधार नहीं है। बल्कि और विवेचना किए जाने की आवश्यकता है। न्यायालय ने अभिलेख पर उपलब्ध सामग्री के आधार पर खात्मा प्रतिवेदन स्वीकार किए जाने का कोई आधार नहीं होने से युक्त खत्म प्रतिवेदन अस्वीकार किया और पुलिस को निर्देश दिया कि केस डायरी वापस की जाती है कि प्रकरण में और विवेचना कर विधिवत कारवाई करें।

इनका कहना...

पुलिस द्वारा आरोपियों को बचाने के उद्देश्य से न्यायालय में पेश किए खात्मा प्रतिवेदन को न्यायालय द्वारा निरस्त किए जाने और मामले में और जांच किए जाने के निर्देश के बाद पीड़ित महिला को न्याय की उम्मीद जगी है। महिला को उम्मीद है कि बहुत जल्दी ही आरोपी सलाखों के पीछे होंगे।

आयुष पालीवाल, फरियादी
गीता देवी पालीवाल का पुत्र

संतों से दूरी और विजयवर्गीय से दिवानगी..!

दर्द-ए-दिल

कुमार दशपुरी

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। विगत 12 जनवरी को नगर में श्री राम राज्य स्थापना यात्रा का आगमन हुआ। देशभर के लगभग 200 साधु संत आए, यहां तक की अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवींद्र पुरी जी महाराज जैसे शीर्षस्थ संत का भी आगमन हुआ। इस कार्यक्रम में प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी विशेष विमान से शामिल होने मंदसौर आए। यात्रा की अगुवाई कर रहे महामंडलेश्वर श्री मधुसूदनानंद जी महाराज के श्री विजयवर्गीय से काफी नजदीक संबंध हैं। अब इस प्रसंग पर विशेष स्थिति यह देखी गई कि जो भाजपा नेताओं ने विजयवर्गीय के प्रति तो जबर्दस्त दिवानगी दिखाई किन्तु देश भर से पधारे इतने संतो से दूरी बनाई।

देशभर में राम नाम और राम मंदिर के लिए इतना सब कुछ हो रहा है और रामराज्य यात्रा से ही भाजपा नेताओं की यह दूरी क्या? यह सवाल जागरूक हलकों में स्वाभाविक रूप से चर्चा का विषय बना हुआ है। हवाई पट्टी पर ही कैलाश विजयवर्गीय की अगवानी करने के लिए एक बड़े हुजूम के रूप में भाजपाई इकट्ठे हुए, वरिष्ठ और युवा नेताओं की भीड़ कैलाश विजयवर्गीय से मिलने, उनको देखने पहुंच गई। लेकिन, इनमें से कोई भी पशुपतिनाथ मंदिर की धर्म सभा में ना तो शामिल होने पहुंचा और ना ही संतों के दर्शन करने की किसी ने जेहमत उठाई। विजयवर्गीय का दौरा संक्षिप्त था, उन्हें केवल कुछ देर यात्रा में शामिल होना था। वे भी यदि धर्म सभा में होते तो यह सभी नेता भी वहां होते। धर्म सभा से भाजपा नेताओं की दूरी और विजयवर्गीय के प्रति दिवानगी शहर सहित अंचल में चर्चा का विषय बनी हुई है।

पूरे देश में राम मंदिर का माहौल बना हुआ है। नगर में भी अनेक कार्यक्रम हो रहे हैं और होने वाले हैं। लेकिन, राम मंदिर की प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए जा रहे देश भर के ये संत मंदसौर नगर में आए और पशुपतिनाथ मंदिर में 2 घंटे की धर्म सभा चली। लेकिन वे नेता और समाजसेवी भी इस कार्यक्रम में नजर नहीं आए जो नगर पालिका सभागार में आहूत की गई इस कार्यक्रम के निमित्त रखी बैठक में थे। जितने लोग बैठक में शामिल थे, वह भी इस मुख्य कार्यक्रम में ही नदारत दिखाई दिए। भाजपा नेताओं के इस रवैये के पीछे और भी कई कयास लगाया जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा का एक समूह इस यात्रा और धर्म सभा के पक्ष में नहीं था। खुलकर तो विरोध किया नहीं जा सकता था। लेकिन, अप्रत्यक्ष रूप से इस पूरे कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी। आने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर, यह बात भी नगर में चटकारे लेकर कही और सुनी जा रही है।

विचार-मंथन

इंदौर ने फिर से कायम की मिसाल

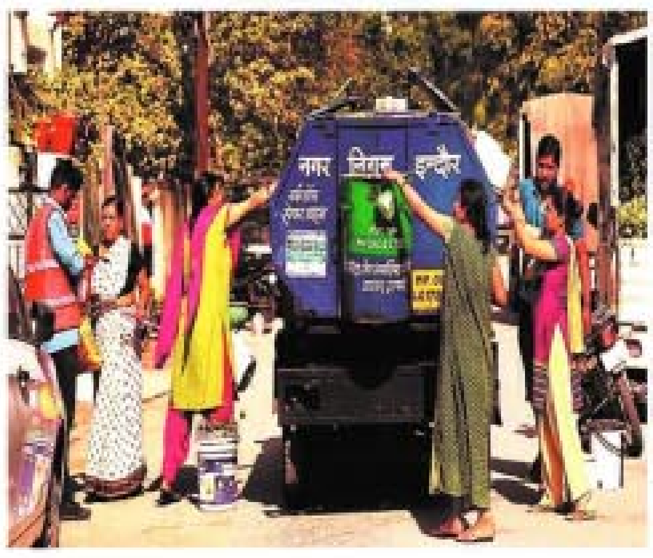

शहरों की स्वच्छता प्रशासनिक संजीदगी और सक्रियता के साथ-साथ वहां रहने वालों के नागरिक बोध का भी पता देती है। इस मामले में निस्संदेह इंदौर ने फिर से मिसाल कायम की है। वह सातवीं बार देश के स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल आया है। इस बार गुजरात का सूरत भी कंधे से कंधा मिलाकर उसके साथ खड़ा हो गया है। दोनों शहर पहले स्थान पर आए हैं। राज्यों में महाराष्ट्र को पहला स्थान मिला है और गंगा किनारे के शहरों में वाराणसी को। सफाईमित्र सुरक्षा के लिहाज से चंडीगढ़ ने पहले स्थान पर जगह बनाई है। गौर करें तो स्वच्छता सर्वेक्षण की तालिका में वही राज्य और शहर इस बार भी परस्पर प्रतिस्पर्धा करते हुए आगे निकलने की कोशिश करते देखे गए, जो कई वर्ष से होड़ में रहे हैं। बाकी राज्यों और शहरों से बहुत उत्साहजनक तस्वीर नहीं आई है। स्वच्छता सर्वेक्षण शहरों की नगरपालिकाओं और नागरिकों में साफ-सफाई के प्रति प्रतिस्पर्धात्मक जागरूकता पैदा करने के मकसद से शुरू किया गया था। इसके आकलन के लिए कुछ पैमाने बनाए गए हैं। मसलन, घर-घर जाकर कूड़ा इकट्ठा करना, अगलनीय कचरे को अलग रखना, कचरे का पुनर्चक्रण आदि। इस प्रयास के बेहतर नतीजे भी देखने को मिले हैं। सब जानते हैं कि स्वच्छता से जीवाणुओं और विषाणुओं के जरिए फैलने वाली अनेक बीमारियों पर लगाम लगाई जा सकती है। मच्छर और मक्खियों से फैलने वाली बीमारियों पर काबू पाना अब भी एक बड़ी चुनौती है। हर वर्ष बरसात के समय बड़ी संख्या में लोग इन बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। उनमें से बहुत सारे बच्चे असमय काल कवलित हो जाते हैं। इसके बावजूद गंदगी दूर करने को लेकर लोगों में अपेक्षित नागरिक बोध नहीं पैदा हो पाता। देश के बहुत सारे शहरों की नगरपालिकाएं कचरे का उचित निस्तारण नहीं कर पातीं। इसका नतीजा यह देखने को मिलता है कि जगह-जगह कचरे का ढेर जमा रहता है। जहां कचरा उठाया भी जाता है, वहां उसका उचित पुनर्चक्रण नहीं हो पाता। दिल्ली इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां कचरे के पहाड़ खड़े हैं और उन इलाकों में रहने वाले, उन इलाकों से होकर गुजरने वाले हर समय जोखिम में रहते हैं। इन कचरे के पहाड़ों को खत्म करने को लेकर राजनीति भी चलती रहती है। यही स्थिति सफाई कर्मियों की सुरक्षा को लेकर है। वे हर समय जोखिम भरे वातावरण में काम करने को मजबूर हैं। सीवरों की सफाई के लिए आज भी मशीनों के बजाय सीधे लोगों को गटर में उतार दिया जाता है। इसकी वजह से हर वर्ष अनेक मौतें भी हो जाती हैं। पर्यावरण प्रदूषण के बढ़ते खतरों के मद्देनजर भी साफ-सफाई, कचरे के निस्तारण, पुनर्चक्रण आदि में व्यावहारिक उपाय आजमाने पर जोर दिया जाता रहा है। अब तो मशीनों के इस्तेमाल ने इस काम को काफी आसान बना दिया है, मगर फिर भी अनेक नगरपालिकाएं इसे लेकर शिथिल ही नजर आती हैं। यह ठीक है कि छोटे शहरों में स्वच्छता उपायों पर अमल कुछ आसान होता है, मगर जब मुंबई जैसा शहर भी इस दिशा में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, तो दूसरे महानगरों को इस मामले में कोई बहाना तलाशने की तुक नहीं बनती। जिन शहरों ने स्वच्छता के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं, उनसे प्रेरणा लेते हुए घर-घर से कूड़ा उठाने, सीवर के गंदे जल को नदियों में मिलने से रोकने, कचरा पुनर्चक्रण, हरित तकनीक और सफाईमित्रों के सुरक्षा संबंधी उपाय आजमाने की कोशिश दूसरे शहर क्यों नहीं कर सकते।

अयोध्या पर कांग्रेस की दयनीय राजनीति...

अजीत द्विवेदी

व्यापक रूप से धर्म और खासतौर से अयोध्या पर कांग्रेस की दुविधा चिरंतन है। वह कभी खत्म नहीं होती है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर राजीव गांधी और पीवी नरसिंह राव से लेकर राहुल गांधी तक कांग्रेस की यह दुविधा कायम है और समय के साथ यह दुविधा कांग्रेस को लगातार कमजोर करती जा रही है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि कांग्रेस की इस दुविधा ने भाजपा को मजबूत होने में सबसे ज्यादा मदद की है। भाजपा जब लोकसभा की दो सीटों के साथ सबसे कमजोर स्थिति में थी तभी दुविधा के शिकार राजीव गांधी ने अयोध्या में राममंदिर का ताला खुलवाया था। वे शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटने की ऐतिहासिक गलती कर चुके थे और उसकी भरपाई के लिए राम मंदिर का ताला खुलवाया था। पर उसके बाद कांग्रेस को न माया मिली और न राम। अब राहुल गांधी की कमान वाली कांग्रेस ने फैसला किया है कि सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अधीर रंजन चौधरी अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस ने इस कार्यक्रम को 'भाजपा और आरएसएस की राजनीतिक परियोजना' बताते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आमंत्रण को 'ससम्मान अस्वीकार' कर दिया है। कांग्रेस को यह निमंत्रण दिसंबर में मिला था और इसे अस्वीकार करने का फैसला करने में उसने 20 दिन का समय लिया। जाहिर है कि किसी भी वैचारिक या राजनीतिक मसले पर फैसला लेने में इतना समय तभी लगता है, जब स्पष्टता न हो। कांग्रेस की वैचारिक अस्पष्टता कई और तरह से दिखी है। जैसे अक्टूबर में जब ट्रस्ट के पदाधिकारी प्रधानमंत्री से मिले और उनको रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने का न्योता दिया तब कांग्रेस के नेता सलमान खुर्शीद ने कहा था कि 'न्योता सिर्फ एक पार्टी को क्यों दिया जा रहा है'। उन्होंने यह भी कहा था कि 'मंदिर किसी एक पार्टी का नहीं है'। उनके कहने का मतलब यह था कि कांग्रेस और दूसरी पार्टियों को भी न्योता मिलना चाहिए। हो सकता है कि यह कांग्रेस की आधिकारिक राय न हो लेकिन खुर्शीद की बात का किसी ने विरोध नहीं किया। इसके एक महीने बाद कांग्रेस को न्योता मिला तो वह 20 दिन तक फैसला रोके रही। अब जबकि फैसला आ गया है तो पार्टी के अंदर ही इस पर सवाल उठ रहे हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि 'कांग्रेस को ऐसे राजनीतिक निर्णय से बचना चाहिए था'। हिमाचल प्रदेश सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि उन्होंने पार्टी आलाकमान को बता दिया है कि वे अपने पिता की इच्छा पूरी करने के लिए रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में जाएंगे। कांग्रेस में अगर इस मसले पर वैचारिक स्पष्टता होती तो वह समय से पहले एक स्पष्ट रुख अख्तियार करती। कांग्रेस में अगर कोई भी दूरदृष्टि वाला नेता होता तो उसको अंदाजा होता कि इस मामले में कांग्रेस के

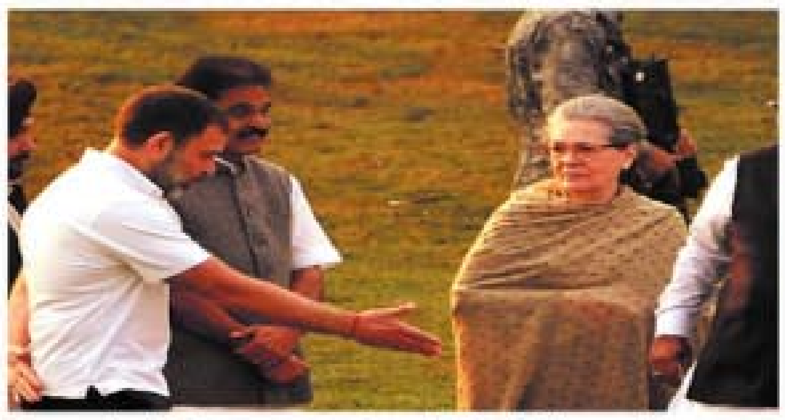

इतिहास को देखते हुए भाजपा उसे उलझाने की कोशिश करेगी। जो कैच 22 सिचुएशन 20 दिसंबर को न्योता मिलने पर बना उसे कांग्रेस के नेता उसी दिन भांप लेते, जिस दिन लोकसभा चुनाव से पहले 'अर्धनिर्मित मंदिर' के उद्घाटन की तारीख तय हुई। अगर उस दिन नहीं तो जिस दिन नरेंद्र मोदी को न्योता मिला उस दिन भांप जाना चाहिए था कि कांग्रेस को भी न्योता मिलेगा और उसी समय अपनी रणनीति तय कर लेनी चाहिए थी। अगर कांग्रेस उस दिन से यह नैरेटिव बनाती कि अधूरे मंदिर का उद्घाटन हो रहा है और यह शास्त्र सम्मत नहीं है या भाजपा इसका राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है तो हो सकता है कि वह समाज के बड़े तबके को यकीन दिलाने में कामयाब हो जाती। तब यह भी हो सकता था कि कांग्रेस को न्योता नहीं भेजा जाता और उसे ऐसी स्थिति में नहीं फंसना पड़ता। लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस हर बार भाजपा के बिछाए जाल में फंस जाती है। भाजपा और नरेंद्र मोदी के जाल में फंस कर ही राहुल गांधी कभी जनेऊधारी ब्राह्मण बन जाते हैं तो कभी शिवभक्त बन जाते हैं। जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी कैमरे पर अपनी भक्ति करते हैं उसी तरह राहुल और प्रियंका की भक्ति भी कैमरे पर ही दिखती है। बहरहाल, कांग्रेस या तो जाल देख नहीं पाती है या उससे बचने के उपाय नहीं सोच पाती है। मैकियावेली ने शासक के गुण बताते हुए कहा था कि शासक को सिंह की तरह बहादुर होने के साथ साथ लोमड़ी की तरह चालाक होना चाहिए ताकि वह शिकारी द्वारा बिछाए गए जाल को देख या समझ ले। सार्वजनिक जीवन में हर व्यक्ति के अंदर यह गुण होना अनिवार्य है। बहरहाल, कांग्रेस ने पहले रणनीति नहीं तय की और न नैरेटिव को अपने हिसाब से दिशा देने की कोई पहल की। जब पूरे देश में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का माहौल बन गया और मीडिया में 24 घंटे इस मुद्दे की चर्चा होने लगी तब जाकर कांग्रेस ने न्योता नामंजूर किया। इसका नतीजा यह हुआ कि भाजपा का यह नैरेटिव स्थापित हो गया कि कांग्रेस हमेशा राम की विरोधी रही है और सबको पहले से पता था कि कांग्रेस के नेता रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में नहीं जाएंगे। इस बात को लोग तुरंत इसलिए स्वीकार कर लेंगे क्योंकि सोनिया व राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा में से कोई भी आज तक अयोध्या में रामलला के दर्शन करने नहीं गया है। राहुल और प्रियंका तो पिछले चुनाव में अयोध्या और फैजाबाद तक गए लेकिन रामलला के दर्शन करने नहीं गए। भाजपा को यह इतिहास पता था इसलिए उसने कांग्रेस को ऐसी स्थिति में डाला, जहां से कांग्रेस अपना कुछ नुकसान करके ही निकल पाती। इस बार कांग्रेस के पास एक मौका था कि वह भाजपा को चौंका देती। अगर कांग्रेस के नेता अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में चले जाते तो भाजपा को अपना नैरेटिव बदलना पड़ता। वह फिर कांग्रेस को रामद्रोही बताने की बजाय कहती कि मजबूरी में या भाजपा के दबाव में कांग्रेस रामलला को स्वीकार कर रही है। इससे कांग्रेस को अगर कोई फायदा नहीं होता तो नुकसान भी नहीं होता। ध्यान रहे कांग्रेस को पिछले चुनाव में भाजपा को मिले 22 करोड़ वोट में से वोट नहीं तोड़ना है, बल्कि उसके अलावा जो 40 करोड़ से ज्यादा वोट भाजपा के खिलाफ गए थे उनको एकजुट करना है। भाजपा के खिलाफ पड़े वोट का बड़ा हिस्सा हिंदू मतदाताओं का ही है।

क्या आम चुनाव में जातीय जनगणना का दबदबा रहेगा...

राजेश कुमार सिंह

जाति जनगणना और आरक्षण ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें कोई भी राजनीतिक दल छोड़ नहीं सकता क्योंकि वे जानते हैं कि ओ.बी.सी. वोट हासिल करने के लिए यह महत्वपूर्ण हैं। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, जातीय जनगणना पर बहस अब जोर पकड़ने लगी है। जाति जनगणना और आरक्षण ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें कोई भी राजनीतिक दल छोड़ नहीं सकता क्योंकि वे जानते हैं कि ओ.बी.सी. वोट हासिल करने के लिए यह महत्वपूर्ण हैं। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, जातीय जनगणना पर बहस अब जोर पकड़ने लगी है। अब भाजपा को भी लगता है कि ओ.बी.सी. वोटों पर पकड़ मजबूत करने का यही एकमात्र हथियार है। यही कारण है कि हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक विधानसभा रैली में कहा कि भाजपा कभी भी जाति जनगणना के खिलाफ नहीं रही है। ऐसा बयान तब आया जब ओ.बी.सी. वोट बेस के उसके सहयोगियों ने खुले तौर पर जाति जनगणना के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। बिहार जाति सर्वेक्षण के अनुसार राज्य में ओ.बी.सी. आबादी 63.1 प्रतिशत है। मोदी सरकार चिंतित है कि जाति जनगणना प्रतिस्पर्धी मांगों को जन्म दे सकती है जो उसके नाजुक जाति संतुलन को बिगाड़ सकती है। वहीं, भाजपा नेताओं को धीरे-धीरे इस बात का एहसास हो गया है कि पार्टी इस मुद्दे पर ज्यादा दिनों तक चुप्पी साधे नहीं रह सकती। इससे पहले विपक्ष की महिला आरक्षण के अंदर ओ.बी.सी. कोटा की मांग पर भाजपा के कई नेताओं की पैनी नजर है। माना जाता है कि कुछ राज्य भाजपा नेताओं, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और बिहार के नेताओं ने, भाजपा के ओ.बी.सी. वोट आधार में दरार पैदा करने के विपक्ष के प्रयासों के बारे में गंभीरता व्यक्त की है। भाजपा नेताओं का दावा है कि मौजूदा लोकसभा में पार्टी के पास 113 ओ.बी.सी., 53 अनुसूचित जाति (एस.सी.) सांसद हैं जो उसके कुल सांसदों का लगभग 70 प्रतिशत है। यह भाजपा की ब्राह्मण-बनिया प्रभुत्व वाली पार्टी होने की लम्बे समय से चली आ रही धारणा से बिल्कुल अलग है। सी.एस.डी.एस.-लोकनीति डाटा विश्लेषण के मुताबिक, ओ.बी.सी. वोटों में भाजपा की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। 2014 में भाजपा को 34 प्रतिशत ओ.बी.सी. वोट मिले थे और फिर 2019 में यह संख्या बढ़कर 44 प्रतिशत हो गई। जबकि कांग्रेस को 1996 में 25 प्रतिशत ओ.बी.सी. वोट मिले थे लेकिन 2019 में केवल 15 प्रतिशत मिले। सी.एस.डी.एस.-लोकनीति विश्लेषण में यह भी पाया गया कि 2014 और 2019 के बीच गरीबों के बीच भाजपा का वोट शेयर 12 प्रतिशत बढ़ गया। निम्न वर्ग में 5 प्रतिशत, मध्यम वर्ग में 6 प्रतिशत और उच्च मध्यम वर्ग में 6 प्रतिशत वोट शेयर में बढ़ोतरी मुख्य रूप से केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के कारण हुई और लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए सरकारी नीतियों को जिम्मेदार ठहराया गया। हालांकि, अब महंगाई से मोह भंग और बढ़ती बेरोजगारी के कारण कुछ हिस्सा घट भी सकता है। इस संबंध में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने विधानसभा चुनाव वाले राज्य छत्तीसगढ़ में कहा, ''भाजपा ने कभी भी जातीय जनगणना का विरोध नहीं किया है लेकिन इस पर गहन विचार के बाद ही फैसला लेना होगा।'' भाजपा ने ओ.बी.सी. नेता नायब सिंह सैनी को हरियाणा का अध्यक्ष नियुक्त किया। सैनी ने ओम प्रकाश धनखड़ की जगह ली है जो प्रभावशाली जाट समुदाय से हैं। अमित शाह ने तेलंगाना में ऐलान किया था कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आई तो पिछड़े वर्ग से किसी नेता को मुख्यमंत्री बनाएगी। भाजपा चिंतित है कि जाति जनगणना राज्यों में प्रतिस्पर्धी मांगों को जन्म दे सकती है और कोटा की अन्य भूली हुई मांगों को भड़का सकती है जिससे उसका नाजुक जाति संतुलन बिगड़ सकता है। उन्हें एहसास हो गया है कि पार्टी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे नहीं रह सकती। भाजपा की नजर इस पर है वहीं कांग्रेस अपनी भारत जोड़ो यात्रा के जरिए राहुल गांधी को हाशिए पर पड़े लोगों के हितैषी नेता के तौर पर स्थापित करने में काफी सफल रही है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने लोगों को याद दिलाया कि आजादी के बाद कांग्रेस शासन के तहत काका कालेलकर योग और मंडल आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी लेकिन कांग्रेस ने उन पर अमल नहीं किया। कमोबेश जाति जनगणना और आरक्षण इतने आकर्षक हैं कि इन्हें भुलाया नहीं जा सकता।

दक्षिण एशिया में हमारी बड़ी अहमियत

दक्षिण एशियाई देश एक ही सभ्यता और संस्कृति के हिस्से हैं, इसलिए उनमें सामाजिक, जातीय, भाषायी और सांस्कृतिक संबंध काफी गहरे हैं। इस जुड़ाव के कारण उनकी एक-दूसरे पर निर्भरता तो है ही, साथ-साथ, किसी एक देश में होने वाला राजनीतिक बदलाव भी अन्य देशों की सियासत को प्रभावित करता है। हालांकि, इस निर्भरता का एक नैसर्गिक प्रतिफल यह है कि यहां के राजनीतिक समूहों का एक बड़ा हिस्सा भारत का समर्थन करता है, जबकि छोटा धड़ा अपने सियासी फायदे के लिए इसका विरोध करता है। समर्थन करने वाले गुटों का मानना है कि चूंकि उनमें सामाजिक, भाषायी या जातीय समानता है, इसलिए उनको भारत के साथ मिलकर काम करना चाहिए, जबकि विरोधी गुट भारत की अनदेखी करने की लाइन लेते हैं। मालदीव-प्रकरण इसी का ज्वलंत उदाहरण है। नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू 'इंडिया आउट' के नारे के साथ चुनाव में उतरे थे। ऐसे में, वह भारत-विरोधी राजनीति का ही प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इसमें उन्हें चीन जैसी ताकतों का सहारा मिल रहा है। मुइज्जू ने पद संभालते ही सबसे पहले 75 भारतीय सैनिकों को वापस लौटाने की बात कही, फिर भारत के साथ किए गए कई समझौतों से पीछे हटने की बात की। मालदीव पर चीन का बड़ा कर्ज है। मुइज्जू अभी चीन की यात्रा पर हैं, जबकि पूर्व के सभी राष्ट्रपति चुनाव के बाद पहले भारत आते थे। हालांकि, ऐसा करते हुए वह शायद भूल गए कि मालदीव और भारत में अच्छे रिश्ते रहे हैं। चुनाव में भी उन्हें इसलिए जीत मिली, क्योंकि भारत का साथ चाहने वाले राजनीतिक दलों में एकता नहीं बन सकी। इतना ही नहीं, मालदीव जाने वाले पर्यटकों में सबसे अधिक संख्या भारतीयों की है। हर साल करीब दो लाख भारतीय पर्यटक मालदीव पहुंचते हैं, जिसके बाद रूस और चीन का स्थान आता है। ताजा विवाद के बाद कई भारतीयों ने मालदीव न जाने की इच्छा प्रकट की है। यह माले के लिए सुखद स्थिति नहीं होगी, खासकर यह देखते हुए कि उसकी जीडीपी में पर्यटन क्षेत्र की हिस्सेदारी 60 फीसदी है। दरअसल, पड़ोसी देशों के साथ भारत की विदेश नीति के तीन उद्देश्य हैं। पहला, सुरक्षा। भारत पड़ोसी देशों में भी सुरक्षा और स्थायित्व का पक्षधर है। इसका मतलब है कि पड़ोसी देशों में आंतरिक असुरक्षा तो न ही हो, साथ ही, अन्य देशों की वहां मौजूदगी से भारत व स्वयं उस देश को कोई खतरा न हो। दूसरा उद्देश्य है, आर्थिक विकास। भारत अपने साथ-साथ पड़ोसी देशों का विकास भी चाहता है। अगर पड़ोसी देशों में आर्थिक अस्थिरता आती है, तो स्वाभाविक ही भारत के सामने भी चुनौतियां बढ़ सकती हैं। जैसे, श्रीलंका में आर्थिक संकट गहराने से भारत में शरणार्थी समस्या बढ़ सकती है या फिर बांग्लादेश का संकट हमारे लिए सुरक्षा चिंता व मजहबी कट्टरता का जोखिम पैदा कर सकता है। तीसरा उद्देश्य है, राजनीतिक स्थिरता। अगर यह स्थिरता बेपटरी होगी, तो दक्षिण एशिया की राजनीति में बाहरी हस्तक्षेप बढ़ेगा, जिससे भारत के खिलाफ खतरे बढ़ने का अंदेशा गहरा सकता है। भारत इन्हीं नीतियों पर आगे बढ़ रहा है। हालांकि, मालदीव के साथ ताजा विवाद में उसे कुछ सतर्क रहने की जरूरत है। दरअसल, मालदीव में करीब 98 फीसदी आबादी सुन्नी मुसलमानों की है और पाकिस्तान काफी दिनों से वहां अलगाववाद को खाद-पानी देने का प्रयास कर रहा है। मालदीव पर ज्यादा दबाव बनाने से पाकिस्तान को अपना हित साधने का मौका मिल सकता है। इससे वहां भारत-विरोधियों को मौका मिल जाएगा, जो भारतीय कूटनीति के लिए ठीक नहीं।

आज का राशिफल

मेष: [illegible] शुभांक-3-6-9

वृषभ: [illegible] शुभांक-3-6-7

मिथुन: [illegible] शुभांक-5-7-9

कर्क: [illegible] शुभांक-3-7-9

सिंह: [illegible] शुभांक-2-6-9

कन्या: [illegible] शुभांक-3-7-9

तुला: [illegible] शुभांक-4-8-9

वृश्चिक: [illegible] शुभांक-3-5-7

धनु: [illegible] शुभांक-4-6-7

मकर: [illegible] शुभांक-3-6-8

कुंभ: [illegible] शुभांक-4-6-8

मीन: [illegible] शुभांक-5-7-8

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5116

	9	5			3	2	1	
7						5		9
2	8		6	9				4
							7	
			2	1	8			
	5							
1				4	2		8	5
9		8						7
	4	6	3			1	9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5115

3	7	9	4	5	2	8	6	1
1	8	6	3	7	9	5	4	2
4	2	5	6	8	1	9	3	7
9	1	2	7	4	5	6	8	3
6	4	3	2	1	8	7	5	9
8	5	7	9	3	6	1	2	4
7	3	8	1	6	4	2	9	5
2	6	4	5	9	7	3	1	8
5	9	1	8	2	3	4	7	6

वर्ग पहेली 5116

संकेत: बाएं से दाएं

1. 9 जुलाई 1900 को मध्यप्रदेश के इस पूर्व राज्यपाल व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनेता ने जन्म लिया था (6)
6. पहर-पहर पर घंटा बजने का शब्द, बहुत पुराने समय का घंटा (3)
7. बिहार स्थित विश्व का प्राचीनतम ज्ञान केंद्र (3)
9. [illegible] (2)
12. पकाकर गाढ़ा किया हुआ गन्ने का रस (2)
13. अभिलाषा, आरजू, मन्नत (3)
15. [illegible] (4)
17. न्यायाधीश को अंग्रेजी में यह कहते हैं (2)
19. [illegible] प्रसिद्ध गीतकार (4)
23. प्रतिष्ठा, इज्जत, कीर्ति, नेकनामी (3)
24. वह जो प्रत्येक कार्य बाएं हाथ से करता हो (4)

ऊपर से नीचे

1. विष्णु भगवान का एक नाम जिनके नाम से एक कथा बहुत अधिक प्रचलित है (6)
2. मध्यप्रदेश का एक छोटा शहर जो [illegible] से कुछ पहले स्थित है (3)
3. रहस्य, भेद, कोई गूढ़ बात (2)
4. भय कंपित होना, डर से कांपना, घबराना (3)
5. अतिरिक्त, अधिक, रहित (2)
8. किसी रेखा पर सीधी और खड़ी गिरने वाली रेखा (2)
10. [illegible] (3)
11. क्रीड़ा एवम प्राप्ति, सफलता, जीत (3)
14. भगतसिंह के साथ इन्हें भी फांसी पर लटकाया गया था (4)
16. ख्याति, प्रसिद्धि, यश (2)
18. पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र, [illegible] (2)
20. इंडोनेशिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला द्वीप (2)
21. झूमने का भाव (2)
22. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5115 का हल

जा	पा	न			अ	स	म
ब	ल	भ	द्र		म	न	न
जा	ना		प	न	जा		क
	पी	ब	गा		द	स्तु	र
की	स				अ	प	ना
स	ना	थ		आ	ली		
		प	ता		खो	स	ला
	प	की	ल			भा	ल

गुर्जरबर्डिया में विहिप का बोर्ड स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिन्दू परिषद भालोट प्रखंड के खंड केंद्र गुर्जर बर्डिया मुख्य चौपाटी पर बोर्ड स्थापना कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें अखाड़े का प्रदर्शन भी किया गया अखाड़े में दुर्गा वाहिनी की बहनों ने भी बढ़-चढ़कर अपनी शस्त्र कला का प्रदर्शन दिखाया। सभा स्थल कार्यक्रम सांवलिया मंदिर प्रांगण में संपन्न हुआ जिसमें संगठन के पदाधिकारी प्रांत सहसंयोजक अर्जुन गहलोत, मंदसौर विभाग सहसंयोजक दिग्विजय सिंह चौहान, मंदसौर जिला अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, जिला संयोजक अनिल धनग,र जिला सत्संग प्रमुख कन्हैया लाल धनगर (नई आबादी जमालपुरा वाले) गुर्जर बर्डिया,खंड अध्यक्ष बलराम पाटीदार,खंड मंत्री सुरेश पंडित,खंड संयोजक जगदीश माली मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए भालोट प्रखंड संयोजक महेश लोहार द्वारा अतिथि परिचय के साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाया मंचासीन अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर भारत माता वह राम दरबार के प्रतीक चिन्ह पर पुष्प माला समर्पित कर कार्यक्रम को आगे बढ़ायाध।

प्रांत सहसंयोजक अर्जुन गहलोत के द्वारा सभी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा गया कि हमें बोर्ड स्थापना क्यों करनी पड़ रही है बोर्ड स्थापना से की जाती है कि हमारे गांव की समिति सक्रिय है हमारे गांव में कोई भी विधर्मी आने से पहले 10 बार विचार करता है क्या हमारे गांव में साप्ताहिक मिलन चलता है क्या हमारे गांव में साप्ताहिक बाल उपासना केंद्र चलता है क्या हमारे गांव में साप्ताहिक सत्संग चलती है ऐसे अनेकों बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि अगर हमारी समिति सक्रिय है तो हमारी बहन बेटी लव जिहाद का शिकार होने से बचाई जा सकेगी अन्यथा विधर्मी घात लगाकर बैठे हुए हैं हाथ में कलेवा बान्ध कर माथे पर तिलक लगाकर हमारी बहन बेटियों को बेला फुसलाकर लव जिहाद का शिकार बनाते हैं। आपने ऐसे अनेकों बिंदुओं पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए अपने विचार साझा करें । साथ ही जिला सत्संग प्रमुख कन्हैया लाल धनगर (नई आबादी अधिकारियों के नेतृत्व में कहीं जगह वोट स्थापना करवाई गई संगठन को कैसे हम और कैसे मजबूत कर सके इसी विषय को लेकर दिन-रात क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपने विचारों को साझा करते हैं और हर दुख सुख में कार्यकर्ताओं के साथ खड़े रहते हैं हर गांव गांव की समितियां सक्रिय करना ही आपका लक्ष्य है। आप विचार साझा करते हुए कहते हैं कि हमें परमात्मा ने जब इस दुनिया में भेजा है तो राम नाम का सुमिरन करने व धर्म रक्षा के लिए हमेशा योद्धा की तरह डटकर विधर्मियों से मुकाबला करने के लिए ही भेजा है। हमें गर्व है कि हम हिंदू हैं और एक सच्चे सनातनी है सर्टिफिकेट तो सिर्फ परमात्मा देता है। मंचासीन संगठन के अधिकारियों द्वारा कार सेवक रहे हमारे वासुदेव सेन का गले में दुपट्टा डालकर स्वागत किया गया जिस कारण कार सेवक अपने उस समय के अनुभव को साझा करते हुए भावुक हो गए। कार्यक्रम में अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे विभाग मठ मंदिर प्रमुख सतनारायण राठौड, प्रखंड गौ सेवा प्रमुख महेश प्रजापत, प्रखंड सुरक्षा प्रमुख दशरथ गुर्जर, प्रखंड विद्यार्थी प्रमुख योगेश राव, प्रखंड बल उपासना प्रमुख कमल प्रजापत, सह गौ रक्षा प्रमुख राजेंद्र सिंह गुर्जर, खंड बल उपासना प्रमुख शुभम माली, खंड सहसंयोजक अंकित माली के साथ ही आसपास के कार्यकर्ता वह संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे बोर्ड स्थापना स्थल पर अखाड़े के हमारे गुरु घनश्याम माली का संगठन के अधिकारियों द्वारा साफा बांधकर माला पहनकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन भालोट प्रखंड संयोजक महेश लोहार द्वारा किया गया। आभार ग्राम समिति गुर्जर बढ़िया द्वारा माना गया यह जानकारी जिला संयोजक अनिल धनगर द्वारा दी गई।

प्रभात फेरियों एवं कलश यात्राओं का आयोजन

नीमच, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव अंतर्गत राज्य शासन एवं जिला कलेक्टर नीमच के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद जिला नीमच की प्रस्फुटन एवं नवांकुर संस्थाओं द्वारा ग्रामों में प्रभात फेरियो एवं कलश यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत प्रस्फुटन ग्राम अरिनयामामादेव प्रभात फेरी, प्रस्फुटन ग्राम बेलारी में कलश यात्रा, प्रस्फुटन ग्राम बरूखेडा में प्रभात फेरी, प्रस्फुटन ग्राम नेवड में श्रीरामधुन प्रभात फेरीयों का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी एवं कलश यात्राओं में ग्रामीणजन उत्साह के साथ सहभागिता कर रहे है एवं प्रभात फेरियों एव कलश यात्रा में बहुत आनंदित दृश्य एवं वातावरण रहा रामधुन पर ग्रामवासी अपने राम का स्वागत कर रहे है। आयोजन में प्रस्फुटन समितियों के साथ नवांकुर संस्था नीमच सुरेश लोक शिक्षण समिति एवं श्री बाबूजी शिक्षण संस्था का उल्लेखनीय योगदान रहा।

कुचड़ोद में 21 साल से निकाल रहे राम धुन

कुचड़ोद, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गाँव के बुजुर्ग युवा एवं किशोर पिछले 21 वर्ष से लगातार अल सुबह प्रभात फेरी राम धुन निकालते आ रहे। यह राम धुन केसा भी मौसम हो फिर भी अनवरत प्रतिदिन जारी है। चाहे सर्दी का मौसम हो, गर्मी का हो, चाहे बारिश का मौसम हो। फिर भी अब तक एक भी दिन राम धुन नहीं रुकी। ग्रामीणों के अनुसार कोरोना काल में भी जब लॉकडाउन था। फिर भी सुबह-सुबह राम धून निकालने का सिलसिला नहीं रुका। प्रभात फेरी श्री राम धुन में 80 साल के बुजुर्ग से लेकर 10 साल के युवा भी शामिल हो रहे। प्रतिदिन प्रभात फेरी राम धुन में शामिल होने वाले ग्रामीणों को 26 जनवरी 2019 में ग्राम पंचायत द्वारा सम्मानित भी किया गया था। राम धुन में रामचंद्र हाबरिया 80, गोपाल हाबरिया , किशोर हाबरिया, भेरूलाल मारू 80, आत्माराम मेगरिया 60, घनश्याम बेरा, मुकेश, भरत कन्नगेट, भंवरलाल टांक, पिंकेश भदानीया, रामेश्वर परमार, राधाकृष्णन पाटीदार, निरंजन सेन, कारू लाल बेरा, संदीप साहू, रामेश्वर मारू, दशरथ वागड़िया, दशरथ चौहान के अलावा किशोरावस्था के विजयपाल 10 वर्ष, नमन बेरा 12 वर्ष, रितेश कुंडेल 14 वर्ष, प्रदीप प्रजापत 15 वर्ष शामिल हो रहे। एवं बालिका गुंजन कन्नगेट 12 वर्ष भी प्रतिदिन बड़े बुजुर्गों के साथ प्रभात फेरी राम धुन में शामिल हो रही। प्रभात फेरी में सम्मिलित ग्रामीणों ने बताया प्रतिदिन सुबह 4:45 पंचमुखी बालाजी से शुरू होकर, महादेव मठ, रामेश्वर महादेव, श्री राम जानकी मंदिर कुंडेल चौक, खेड़ापति हनुमान मंदिर, चारभुजा नाथ मंदिर, रामजानकी बाजार मंदिर होते हुए, समापन पंचमुखी बालाजी पर होता है। राम धुन में हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे, हरे कृष्णा हरे कृष्णा कृष्णा कृष्णा हरे हरे, ढोलक की थाप पर गाते हुए निकलते हैं। पूरे गांव में भ्रमण करने का सवा घंटा लगता है। रामधुन किसी भी मौसम में नहीं रुकी। कोरोना काल में भी जारी रही। अयोध्या में श्री राम मंदिर में श्री राम जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अब युवाओं किशोरों में भी उत्साह जाग गया। वह भी प्रतिदिन सम्मिलित होने लगे। यह यात्रा सन 2002 से लगातार अनवरत जारी है।

महावीर बस्ती में प्रतिदिन निकल रही प्रभात फेरी

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जन जागरण का कार्यक्रम सामाजिक संगठन द्वारा किया जा रहा है। इसी कड़ी में क्षेत्र के किटियानी कॉलोनी महावीर बस्ती में जन जागरण समिति द्वारा 22 जनवरी तक प्रतिदिन सुबह हर गली, हर चौराहा आदि पर राम भजनों के साथ ढोल धमाके से राम भजन करते हुए प्रभात फेरी निकाली जा रही है। राम भक्तों के द्वारा प्रतिदिन सुबह प्रभात फेरी निकाल कर राम भजनों का स्मरण किया जा रही है। नगरवासी नर्मदेश्वर महादेव से प्रभात फेरी प्रारंभ करते है जो हनुमान मंदिर होकर शिव मंदिर मंगलम विहार होते हुए यश बालीजी से पुन: नर्मदेश्वर महादेव किटियानी में समापन करते है। इस दौरान महावीर बस्ती के प्रितेश चावला, गणेश फग्वार, संजय जैन, संजय पारखी, अरविन्द नवले, प्रतिक व्यास, अनुज भार्गव, पंकज बोरीवली, किशोर चोराड़िया, विकास मंडवरिया, राहुल हरगोड़ व महिला मंडल से श्रीमती रमा माथुर, शालिनी दुबे, अविनी, गीता पारीख, प्रीति शुक्ला, रेखा, मविणा, प्रतिभा माथुर, ऋतु श्रीवास्तव, साधना छुपेशी, कलावती पंवार, आरती नीमा आदि प्रतिदिन प्रभात फेरी में भाग लेकर धर्मलाभ ले रहे है।

नगरीय निकायों की सड़कों के सुधार के लिये 200 करोड़ रूपये की राशि जारी

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में नगरीय निकायों की सड़कों के सुधार के लिये नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कायाकल्प योजना में 200 करोड़ रूपये की राशि के आवंटन की स्वीकृति दी है। विभागीय मंत्री श्री विजयवर्गीय ने निर्देश दिये हैं कि निकायों को आवंटित राशि शीघ्र पहुँचाई जाएं। आयुक्त नगरीय विकास श्री भरत यादव ने नगरीय निकायों के अधिकारियों से अपने क्षेत्र की सड़कों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने के लिये कहा है।

विभागीय मंत्री ने बैठक में दिये थे निर्देश–नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने पिछले दिनों भोपाल में विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये थे कि नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएँ मिलना सुनिश्चित किया जाएं। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र की सड़कें आम जनता की आशा के अनुरूप हों। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा है कि जिन निकायों में कायाकल्प योजना में मंजूरी दी गई है उनमें सड़क निर्माण को प्राथमिकता से कराया जाएं। विभाग की कायाकल्प योजना में 200 करोड़ रूपये की राशि की मंजूरी दी गई है। विभाग द्वारा पूर्व में इस योजना में 350 करोड़ रूपए की राशि जारी की जा चुकी है। नगरीय विकास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने बैठक में निकायों में कार्यरत अमले को नियमित वेतन और मानदेन मिलता रहे, इसके लिये विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये थे। विभाग ने नगरीय निकायों को चुंगी क्षतिपूर्ति की 226 करोड़ 74 लाख रूपये की राशि हस्तांतरित की है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने राशि का सही मद में उपयोग करने के निर्देश दिये हैं। मंत्री श्री विजयवर्गीय को विगत दिनों प्रदेश दौरे के समय नगरीय क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान वेतन और मानदेय के संबंध में समस्या सुनने को मिली थी। इसी परिप्रेक्ष्य में यह राशि जारी की गई है। प्रदेश में कुल 413 नगरीय निकाय हैं। इनमें नगर पालिक निगम 16, नगर पालिक परिषद 99 और नगर परिषद की संख्या 298 हैं।

2000 राम भक्त एक साथ आए सड़क पर....

भगवामय हुआ दलौदा, नगर में निकली विशाल रामधुन

दलौदा, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री राम जी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम 22 जनवरी को अयोध्या में होना है प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत पूरे देशभर में राम मय माहोल बना हुआ है और गांव गांव में एक से बडकर एक धर्म के आयोजन हो रहे हे गांव गांव घर घर अक्षत वितरण हो रहा हे घर घर पर राम मंदिर प्रतिष्ठा के निमित्त अक्षत पत्रक वितरण किए जा रहे हे साथ ही 15 से 22 जनवरी तक प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रम की जानकारियां दी जा रही है...

इसी प्रकार के कार्यक्रम को लेकर दलौदा नगर में पांच मंदिरों से प्रतिदिन सायंकाल राम धुन निकाली जा रही है शनिवार की रात्रि में भी दलौदा नगर में सामूहिक राम धुन निकाली गई जिसमे करीब 1500 से 2000 की संख्या में हिंदू भाई बहन बच्चो ने उत्साह के साथ भाग लिया समस्त और से राम धुन यात्रा बालाजी मंदिर चौपाटी पहुंची जहा पर हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया उससे पश्चात राम धुन ढोल मजिरो के साथ दलौदा नगर में निकली राम धुन यात्रा में नगर के सैकड़ों समाजजन उपस्थित रहे।

आज निकलेगी भव्य कलश व भगवा यात्रा–राम मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम के तहत पूरे देशभर में चल रहे कार्यक्रम के निमित्त 15 जनवरी को दलौदा नगर में भव्य कलश व भगवा यात्रा निकलेगी जो कृषि उपज मंडी के सामने बालाजी मंदिर से प्रारंभ होकर दलौदा में नगर के प्रमुख मार्गो पर होती हुई गोपाल मंदिर प्रांगण पहुंचेगी यात्रा का जगह जगह स्वागत किया जाएगा कलश यात्रा के पूर्व बालाजी मंदिर पर सर्व समाज के द्वारा हवन पूजन भी किया जाएगा।

स्व. नजर बाई डोसी की स्मृति में भेंट किये मेडिकल उपकरण

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर के जनकुपुरा निवासी डोसी परिवार द्वारा अपनी मातुश्री स्व नजर बाई डोसी की स्मृति विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउंडेशन को मेडिकल उपकरण भेंट किये। डोसी परिवार के राजेश डोसी और संजय डोसी ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में उपयोग आने वाले पलंग एवं व्हील चेयर को ट्रस्ट को भेंट किया। उल्लेखनीय है विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउंडेशन सीए प्रतिक डोसी द्वारा संचालित किया जाता है जिसमें जरूरतमंदो को उपयोग हेतु निशुल्क मेडिकल उपकरण उपलब्ध करवायें जाते है। विगत पांच वर्षो से ट्रस्ट उल्लेखनीय सेवाएं दे रहा है कोरोना काल में भी विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउंडेशन द्वारा सराहनीय सेवाएं दी गई थी। मानव सेवा में किये जा रहे ट्रस्ट के कार्यो से प्रभावित होकर राजेश डोसी और संजय डोसी ने भी अपनी स्व. मातुश्री की याद में विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउंडेशन मे मेडिकल उपकरण भेंट किये है।

जिला सैनिक कल्याण बोर्ड मंदसौर द्वारा सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस मनाया

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले में निवासरत पूर्व सैनिको और वीर नारियों के लिए 14 जनवरी 2024 को सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस जिला सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर एच डी एक्स -33 किटीयानि मंदसौर में आयोजित किया गया सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस के आयोजन की शुरुआत ग्रुप केप्टन संजय दीक्षित (से.नि) जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा देश की एकता और अखंडता के लिए निस्वार्थ भाव से योगदान देने वाले देश की बहादुर सेना के अमर वीर बलिदानियों / सपूतो को श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके योगदान की याद करते हुए इस आयोजन में शामिल होने वाले लोगो का स्वागत किया गया सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस के आयोजन में उपस्थित पूर्व सैनिको को स्वल्पहार कराया गया।

नीमच में सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस मनाया–जिला सैनिक कल्याण कार्यालय मंदसौर द्वारा नीमच में निवासरत पूर्व सैनिको और वीर नारियों के लिए 14 जनवरी 2024 रविवार को शहीद पार्क नीमच में आयोजित किया गया। सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस के आयोजन की शुरुआत ग्रुप केप्टन श्री संजय दीक्षित (से.नि) जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा देश की एकता और अखंडता के लिए निस्वार्थ भाव से योगदान देने वाले देश की बहादुर सेना के अमर बीर बलिदानियों, सपूतो को श्रृद्धांजलि अर्पित करने और उनके योगदान की याद करते हुए, इस आयोजन में शामिल होने वाले लोगो के स्वागत से हुई। इसके उपरांत जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस के आयोजन में उपस्थित वीर नारियों को शाल और श्रीफल भेट कर, उनका सम्मान किया।

पार्थिवेश्वर शिव पूजन पूर्णाहुति आज

नगरी, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर के नईआबादी केशव कुटिया पर सात दिवसीय पार्थिवेश्वर शिव पूजन आयोजन की पूर्णाहुति एवं प्रशादी वितरण आज सोमवार को होगा। स्वामी श्री धिरेशानंद महाराज के सानिध्य में लाभार्थी अटोलिया चचावद परिवार की गीताबाई पति स्व. मोड़ीराम एवं अनिता - रामेश्वर अटोलिया के माध्यम से गत 9 जनवरी से चल रहे शिव पूजन आयोजन में शिवोपासक आचार्य पं. कमलेश जी दूबे द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शिव पार्थिवेश्वर पूजन करवाया जा रहा है।आयोजन में नगर से बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं द्वारा सहभागिता की जा रही है। आज दोपहर पश्चात् विशेष शिव महा पूजन के साथ महाप्रशादी वितरण होगा।

बालाजी सेवा भक्त मंडल द्वारा सरस्वती नगर में मकर सक्रांती पर्व मनाया

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। बालाजी सेवा भक्त मंण्डल द्वारा रविवार को मकर सक्राती पर्व मनाया गया। इस अवसर पर सेवा मंण्डल द्वारा वार्ड 12 के सरस्वती नगर अभावग्रस्त परिवारों के बीच पहूँचकर मिठाई एवं गजक के पकेट का वितरण किया गया। मकर सक्राती के पर्व पर खुशीयां बांटने के लिए बालाजी सेवा भक्त मंण्डल के सदस्य विपीन संघवी, दुर्गश चंदेल, रानू राठौर, मीना चौहान, मनीष सोनी, गीत शर्मा, अनंतदेव शर्मा, राजदीप पंवार आदी ने सरस्वती नगर के रहवासी अभावग्रस्त लगभग 51 परिवारों के बीच पहूँचकर मिठाई एवं गजक के पकेट वितरीत कर मकर सक्रांती पर्व मनाया गया। मिठाई वितरण के समय क्षेत्र के कई आमजन भी मौजुद थे।

भगवान श्री राम के आगमन उत्सव पर दलौदा में भी फुटकर फटाका व्यवसाय को मिलेगी मंजूरी

श्री सिसोदिया ने की पहल, कलेक्टर ने किया आश्वस्त

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या में भगवान श्री राम के आगमन का उत्सव पूरे देश भर में भव्य रूप से मनाया जाएगा जिसमें जिला मुख्यालय मन्दसौर समेत, गाँव-गाँव सहभागी बनेगा, इस ऐतिहासिक दिन विराट दीपावली का पर्व मनाया जाएगा , उमंग और उल्लास के इन लम्हों को और बढ़ाने के लिए पूर्व विधायक तथा भारतीय जनता पार्टी प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसोदिया की पहल पर 22 जनवरी के उत्सव से पूर्व व्यापारियो की मांग पर विधानसभा क्षेत्र के दलौदा में भी फुटकर फटाका व्यवसाय को प्रशासन द्वारा मंजूरी दी जाएगी।

भगवान श्री राम के आगमन को लेकर शहर से लेकर गांव और कस्बे तक मे भव्य उत्सव की तैयारी की जा रही है इस दिन प्रत्येक मंदिर और प्रत्येक घर में दीपावली मनाई जाएगी। इस उत्सव को और भव्य बनाने के लिए श्री सिसोदिया की पहल पर दलौदा में भी फुटकर फटाखा व्यापारियो को मांग पर सीमित संख्या में अनुमति दी जाएगी। श्री सिसोदिया ने इस संबंध में कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव से चर्चा की और कहा कि दीपावली से पूर्व दलौदा के स्टेडियम में फटाखा मार्केट लगता है। 22 जनवरी को सनातन धर्म की दीपावली है, प्रभु श्री राम का आगमन हो रहा है जिस तरह दीपावली पर पटाखे जलाए जाते हैं वैसे ही भगवान श्री राम के आगमन उत्सव पर भी प्रत्येक नागरिक दीपावली की तरह फटाखे जला सके इसके लिए मंदसौर के साथ ही दलोदा में 22 जनवरी से पूर्व फुटकर फ़टाखा दुकान को अनुमति दी जानी चाहिए ताकि दलौदा समेत आसपास के सभी ग्रामीणों को सुविधा हो , इस पर कलेक्टर ने सहमति जताई और कहां की यदि फटाका व्यापारी मांग करेंगे तो उन्हें दुकान लगाने के लिए अनुमति दे दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि श्री सिसोदिया की मांग पर मन्दसौर में भी फटाखा मार्केट के लिये कलेक्टर द्वारा सहमति दी जा चुकी है। श्री सिसोदिया ने मंदसौर के नागरिकों से आह्वान किया कि भगवान श्री राम के अयोध्या आगमन के उत्सव को भव्य रूप से मनाए, घर-घर दीपावली मनाई जाए और घरों पर विद्युत सज्जा के साथ ही दीप जगमगाया जाए।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह : मुस्लिम मतों की मारामारी में फंसे विपक्षी दल, 'ना माया मिलेगी न राम'

रतलाम, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या में श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए भेजे गए निमंत्रण पत्रों ने जहां भाजपा की बल्ले बल्ले कर दी है,वहीं कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल मुस्लिम मतों की मारा-मारी में फंस कर उस कहावत को चरितार्थ कर रहे है जिसमें कहा जाता है 'दुविधा में दोनो गए माया मिली ना राम'।

जब तक निमंत्रण पत्रों का वितरण शुरु नहीं हुआ था, कांग्रेस समेत विपक्षी नेताओं को लग रहा था कि भाजपा चूंकि उन्हे बुलाएगी ही नहीं,इसलिए वे इसी को मुद्दा बनाकर राजनीति साध लेंगे। टीवी चैनलों ने भी इस बात पर कई सारे डिबेट शो कर डाले कि किसे निमंत्रण मिलेगा और किसे नहीं। टीवी चैनलों पर होने वाली बहसों में विपक्षी प्रवक्ताओं ने निमंत्रण नहीं मिलने के कयास पर भाजपा की जोरदार खिंचाई भी की थी। इस पूरे परिदृश्य को देखकर विपक्षी नेताओं को अंदाजा था कि वे इस बात से राजनीतिक फायदा उठा ही लेंगे। लेकिन उन्हे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि विश्व हिन्दू परिषद और श्री रामजन्म भूमि न्यास आखिरकार उन्हे भी न्यौता भेज देंगे।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण जैसे ही विपक्षी नेताओं को मिला,उनकी सांसे अटक गई। उन्हे समझ में ही नहीं आया कि इस निमंत्रण पर वे क्या प्रतिक्रिया दें। निमंत्रण पत्र मिलने से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह कह रहे थे कि कांग्रेस के नेता अयोध्या जरुर जाएंगे,लेकिन निमंत्रण पत्र मिलने के बाद उनकी बोलती बन्द हो गई। कांग्रेस अभी इस दुविधा मे ही थी कि निमंत्रण का क्या करें,इसी बीच केरल की मुस्लिम लीग का बयान आ गया कि कांग्रेस को इस समारोह में शामिल नहीं होना चाहिए।

कांग्रेस के सामने इस समय इतिहास में अब तक का सबसे बडा संकट मुंह बाएं खडा है। गांधी परिवार का राजनीतिक अस्तित्व खतरे में है। कांग्रेस परिवार की बपौती मानी जाने वाली अमेठी सीट कांग्रेस को धोखा देकर भाजपा की दामन थाम चुकी है। राहूल गांधी को अपनी सीट बचाने के लिए सीधे केरल जाना पडा और मुस्लिम लीग के आशिर्वाद से ही वे वायनाड के सांसद बन पाए। मुस्लिम लीग के इसी एहसान तले दबे राहूल गांधी मुस्लिम लीग को सेक्यूलर पार्टी बताने लगे है। कांग्रेस परिवार की दूसरी बपौती रायबरेली है,जहां से श्रीमती सोनिया गांधी आती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यदि श्रीमती सोनिया गांधी स्वास्थ्य कारणों से चुनाव नहीं लडीं,तो उनके स्थान पर श्रीमती प्रियंका वाड्रा का चुनाव लडना तय है। कांग्रेस का सबसे बडा संकट अब यही है कि प्रियंका को चुनाव कहां से लडवाएं। अमेठी जैसा सुरक्षित गढ ढह चुका है। अब यही खतरा रायबरेली पर मण्डरा रहा है। अगर प्रियंका या सोनिया को लोकसभा में पंहुचाना है,तो कांग्रेस को फिर से केरल में मुस्लिम लीग की मदद लेना होगी। गांधी परिवार का सबसे बडा संकट भी यही है कि अगर परिवार के लोग लोकसभा में नहीं पहुच पाए तो कांग्रेस पार्टी उनके हाथ से निकल जाएगी।

तुषार कोठारी

गांधी परिवार के लोगों का लोकसभा में पंहुचना बेहद जरुरी है और यही वजह है कि मुस्लिम लीग की इच्छा अब कांग्रेस के लिए आदेश के समान हो गई है। जैसे ही मुस्लिम लीग ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस नेताओं के जाने को लेकर सवाल उठाए,कांग्रेस की दुविधा समाप्त हो गई और कांग्रेस ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने से इंकार कर दिया। लेकिन कांग्रेस की हालत अब 'इधर कुंआ उधर खाई' जैसी हो चुकी है। मुस्लिम लीग के दबाव में कांग्रेस ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार तो कर दिया,लेकिन कांग्रेस के कई नेता जानते है कि यह बहिष्कार कांग्रेस के लिए आत्मघाती साबित होने वाला है। लेकिन गांधी परिवार के राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए पार्टी के अस्तित्व को दांव पर लगाया जा रहा है। कमोबेश यही हालत समाजवादी पार्टी,तृणमूल कांग्रेस ,जनता दल(यू) और अन्य गैर भाजपाई विपक्षी दलों की हो रही है। लगभग सभी पार्टियों को लगता है कि मुस्लिम वोट बैंक ही उनका अस्तित्व बचाने की एकमात्र रामबाण दवा है। उन्हे यह भी लगता है कि अगर वे प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हो गए तो उनके अस्तित्व का एकमात्र आधार मुस्लिम वोट उनसे दूर हो जाएगा। ऐसे में वे कोई खतरा मोल लेना नहीं चाहते। मुस्लिम वोट बचाने के लिए वे कोई भी कीमत चुकाने के लिए तैयार हो चुके है। लेकिन घबराहट के इस माहौल में ये विपक्षी दल इस बात का आकलन नहीं कर पा रहे है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार करके वे हिन्दू वोट का कितना नुकसान कर लेंगे।

भाजपा के लिए विपक्षी नेताओं को निमंत्रण भेजा जाना और उनके द्वारा बहिष्कार कर दिया जाना राजनैतिक रुप से वरदान बन गया है। अब भाजपा बडी आसानी से यह प्रमाणित कर सकती है कि कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल पूर्णत: सनातन और हिन्दू विरोधी तो है ही भागवान राम के भी विरोधी है। देश के करोडों लोग राम चरितमानस का पाठ करते है,जिसमें कहा गया है कि 'जाके प्रिय ना राम वैदेही,तजिए ताहि कोटि बैरी सम यद्यपि परम सनेही'। ऐसी स्थिति में देश का हिन्दू मतदाता राम के विरोधियों को त्यागने में क्षण भर का विलम्ब नहीं करेगा। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल राम मन्दिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार मुस्लिम वोटों के छिटकने के डर से कर रहे है,लेकिन इसके विपरित वास्तविकता यह है कि देश के मुस्लिम समाज के एक बडे हिस्से को अयोध्या में बन रहे श्री राम जन्म भूमि मन्दिर से कोई दिक्कत नहीं है। सामान्य मुस्लिम मतावलम्बी का मानना है कि अयोध्या में मन्दिर बन जाने से उनके हितों पर कोई प्रभाव नहीं पडने वाला। असदुद्दीन औवेसी जैसे इक्के दुक्के नेता भले ही इस घटना को इस्लाम के लिए खतरा बताने की कोशिश कर रहे है,लेकिन अधिकांश मुसलमानों को इससे कोई फर्क नहीं पड रहा है। हल ही में किये गए एक सर्वे में भी यही तथ्य सामने आया है कि देश के अधिकांश मुस्लिम राम मंदिर के बनने से खुश है। इसके विपरित देश के हिन्दू समाज में राम मन्दिर को लेकर जो अभूतपूर्व उत्साह का वातावरण बना है,उसके चलते राम मन्दिर का विरोध करने वाले नेताओं के प्रति भी उसी मात्रा में उनकी नाराजगी पनप रही है। ऐसे में कोई बडी बात नहीं कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार करने वाले नेताओं के जातिगत वोट भी उनसे दूर हो जाएं। कुल मिलाकर मुस्लिम मतों की मारामारी में तमाम विपक्षी दल इसी अवस्था में पंहुच गए है ,जहां 'दुविधा में दोनो गए माया मिली ना राम वाली' कहावत चरितार्थ हो रही है। प्राण प्रतिष्ठा के बहिष्कार से मुस्लिम वोटों का कितना फायदा होगा और हिन्दू वोटों का कितना नुकसान होगा, इसकी सटीक जानकारी लोकसभा चुनाव के नतीजों में मिलेगी। लेकिन, ये तय है कि राम मय हो चुके देश के बहुसंख्यकों में राम विरोधियों के प्रति गुस्से की लहर चुनाव में जोरदार असर दिखाएगी।

पतंग

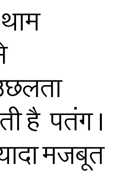

आत्मविश्वास प्रसन्नता से भर
हवा का रुख पहचान
डोर को आवश्यकता अनुसार
तंग - ढीली छोड़
गति देता है तो
लक्ष्य की ओर
लहरा उठाती है पतंग।
बार-बार झोला खाती
धरती पर गोता खाती
आहूत होता साथी
दोनों हाथों से पतंग थाम
अपनी पूरी ताकत से
आसमान की ओर उछलता
तो बल पा उठाव लेती है पतंग।
माझा हो जिसका ज्यादा मजबूत
गिर्री हो जितनी क्षमतावान
ज्यों देह की भीतरी ताकत
आत्मविश्वास
उतनी शक्ति से
आसमान हो या जीवन पथ
शत्रु - व्याधि
नहीं काट पाती
पतंग की डोर
सरसराती लहराती
उड़ती जाती है पतंग।

भगवती प्रसाद गेहलोत, पिपलियामंडी

मन की उड़े पतंग

मन करता है मैं
पतंग बन जाऊं
स्नेह डोर से बंधकर
आसमान घूम आऊं
परिंदों के पंख बचाउ
नहीं पे च लड़ाऊं
कटने फटने से पहले
बुलंदियां छू जाऊं
कोई हवा का झोंका
मन में भरे उमंग
हो जाए संक्रांति
मन की उडे पतंग

नंदकिशोर राठोर मंदसौर

अभी भी हजारों वाहन बगैर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के...

आज अंतिम तारीख, अब कटेंगे चालान

तारीख बढ़ाने को लेकर कोई आदेश नहीं, वेटिंग अभी भी लंबी

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सभी तरह के वाहनों पर अब हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगवाना अनिवार्य है। साधारण रेडियम या कलर से लिखी नंबर प्लेट मान्य नहीं होगी। विभाग द्वारा पहले 31 दिसंबर-2023 अंतिम तारीख दी गई थी, जिसे बढ़ाकर 15 जनवरी-2024 कर दिया था। इसकी अवधि आज सोमवार को खत्म हो जाएगी। जैसे ही अवधि खत्म होगी, उसके बाद ऐसे वाहनों पर चालानी कार्रवाई की जाएगी, जिन्होंने नई नंबर प्लेट के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है। इधर समय सीमा बढ़ाने को लेकर प्रक्रिया चल रही थी। लेकिन, ऐसा कोई आदेश नहीं आया है। बात करें नंबर प्लेट की तो कई वाहन बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के चल रहे हैं। इसके अलावा वेटिंग भी लंबी है। अगर आज बुक कराई जाए तो नंबर प्लेट मार्च तक मिलेगी।

जानकारी का अभाव, मार्केट में बनवा ली प्लेट...

कई लोगों को यह जानकारी नहीं है कि हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट क्या होती है और ये कहां से बनती है। कुछ ने मार्केट में दुकानों पर हाई सिक्योरिटी जैसी दिखने वाली नंबर प्लेट बनवा ली थी लेकिन वे मान्य नहीं होगी। सरकार द्वारा अप्रैल-2019 के बाद खरीदे गए वाहनों पर तो शोरूम या आरटीओ से हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट ही जारी की जा रही है, लेकिन इसके पहले वाले सारे वाहनों पर साधारण प्लेट लगी है। इन्हें उक्त साधारण नंबर प्लेट को हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट से रिप्लेस करवाना होगा। नंबर प्लेट बदलने के लिए पहले 31 दिसंबर तारीख आखिरी थी, लेकिन वेटिंग व सर्वर समस्या के चलते इसे बढ़ाकर 15 जनवरी कर दी गई थी। आगे तारीख बढ़ाने को लेकर अब तक कोई नोटिफिकेशन नहीं ने आया है। ऐसे में वाहन चालक जितनी जल्दी हो उतनी जल्दी रजिस्ट्रेशन करवा लें, ताकि वेटिंग खत्म होते ही उन्हें प्लेट मिल सके।

क्या है एचएसआरपी व इसकी विशेषताएं...

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) एक एल्यूमीनियम निर्मित नंबर प्लेट है। इसके ऊपरी बाएं कोने पर एक नीले रंग का क्रोमियम आधारित अशोक चक्र का होलोग्राम रहता है। इसमें वाहन का 7 अंकों वाला यूनिक डिजिटल कोड दर्ज रहता है। इस कोड के माध्यम से वाहन की पूरी जानकारी निकाली जा सकती है। क्योंकि यूनिक कोड में चेसिस नंबर व इंजन नंबर भी दर्ज रहता है। इससे वाहन चोरी और अपराध की स्थिति में जांच-पड़ताल में मदद मिलती है। ये नंबर प्लेट डिजिटल यूनिक कोड वाली रहती है जो मार्केट में नहीं बनती है। क्योंकि, इसे अधिकृत एजेंसी द्वारा एक प्रक्रिया के तहत बनाया जाता है। सरकार ने इसके लिए एक कंपनी को ठेका दिया है।

कहां से बनवाएं...

माय एचएसआरपी पोर्टल पर राज्य का नाम, रजिस्ट्रेशन नंबर, इंजन नंबर, चेसिस नंबर डालकर रजिस्ट्रेशन करवाना होता है। इसका शुल्क करीब 450 रुपए भी ऑनलाइन ही जमा होता है और वही रसीद उस रजिस्ट्रेशन फॉर्म के साथ सबमिट करना होती है। यदि किसी को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाने में दिक्कत हो तो वह व्यक्ति जिस कंपनी का वाहन है। उस कंपनी के नजदीकी शोरूम पर जाकर तारीख बढ़ाने के लिए भी रजिस्ट्रेशन करवा सकता है। आरटीओ ने रजिस्ट्रेशन सुविधा देने के लिए सभी शो-रूम संचालकों को निर्देशित किया हुआ है। एक शोरूम संचालक के अनुसार तो फरवरी अंत तक की बुकिंग है। अब जो भी बुकिंग होगी वे प्लेट मार्च तक मिल पाएगी। सर्वर धीरे चलने से भी दिक्कत है।

सोलर बिजली के उपभोक्ताओं को लग सकता है झटका..!

सोलर पैनल और रूफटॉप लगाने पर 8 प्रश बिजली कंपनी को देना होगा

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सोलर से बिजली उत्पादन करने वाले उपभोक्ताओं को भी बिजली कम्पनी करंट का झटका लगाने की तैयारी कर रही है। मध्य प्रदेश पॉवर मैनेजमेन्ट कम्पनी ने पिछले माह में मप्र विद्युत नियामक आयोग में जो याचिका दायर की है, उसके अनुसार अब सोलर से बिजली उत्पादन करने वाले विद्युत उपभोक्ताओं को उत्पादित की गई कुल बिजली का आठ फीसदी वापस नहीं मिलेगा। यह बैंकिंग के नाम पर कम्पनी द्वारा ली जाएगी। इसको लेकर आयोग ने 22 जनवरी तक आपत्तियां मांगी है, जिसकी सुनवाई की जाएगी।

दो रुपए यूनिट ज्यादा लगेंगे...

बड़े परिसर में 100 किलोवॉट तक का सोलर संयंत्र स्थापित किया जाता है, तो क्रॉस सब्सिडी सरचार्ज, अतिरिक्त सरचार्ज व व्हीलिंग चार्ज भी देना पड़ेगा। इसके चलते उत्पादित सोलर बिजली की लागत दो रुपए प्रति यूनिट ज्यादा हो जाएगी।मप्र पावर मैनेजमेंट कम्पनी एक बार फिर घरेलू और गैर घरेलू बिजली उपभोक्ताओं पर बिजली बिलों का भार लादने की तैयारी में है। इसका सबसे ज्यादा असर मध्यमवर्गीय बिजली उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। पिछले 12 साल में घरेलू बिजली 83 प्रतिशत और गैर घरेलू बिजली के दाम 64 प्रतिशत तक बढ़े हैं। इस वित्तीय वर्ष में विद्युत कम्पनी बिजली के दाम 3.86 प्रतिशत बढ़ाने की तैयारी में है।

आने वाले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी बिजली कम्पनी ने 2046 करोड़ रुपए का अंतर बताकर बिजली के दामों में औसतन 3.86 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है। बिजली कम्पनी ने नियामक आयोग में जो याचिका दाखिल की है, उसमें प्रदेश में वाणिज्यिक और इंडस्ट्री श्रेणी के उपभोक्ताओं पर 15 प्रतिशत भार बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। सभी श्रेणी को मिलाकर कम्पनी ने वर्ष 2024-25 के लिए औसतन 3.86 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

प्रभु श्रीराम के आगमन पर मंदसौर बनेगा अयोध्या

लैजर शो, डिजिटल आतिशबाजी और 51 हजार दीपों से जगमग होगा शिवना नदी का तट, गनेड़ीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट तथा श्री राम दीपोत्सव समिति के माध्यम से अनूठा और भव्य स्वरूप में मनेगा प्रभु श्रीराम आगमन महोत्सव, बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या में जब 22 जनवरी को प्रभु श्री राम पधारेंगे तो इस उल्लास का उत्सव राजाधिराज भगवान पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर में भी मनाया जाएगा। पावन-पवित्र शिवना मैया के तट पर विराजित वसीठा धोबी समाज द्वारा प्रतिष्ठित श्री राम मंदिर मे गनेडीवाल चौरिटेबल ट्रस्ट तथा श्री राम दीपोत्सव समित के माध्यम से भव्य उत्सव मनेगा जिसमें शिवना मैया के तट पर 51 हजार दीपों की रोशनी से जगमग होगा तथा भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित लेजर शो तथा डिजिटल आतिशबाजी होगी और प्रसादी का वितरण किया जाएगा। इस भव्य उत्सव की तैयारियों को लेकर एक अनौपचारिक चर्चा हुई जिसमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग प्रचारक अरूण जैन, जिला संघ चालक दशरथसिंह झाला का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया, क्लेक्टर दिलीप कुमार यादव और पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने भी अपने विचार रखें।

भारत की सनातन संस्कृति के लिए 22 जनवरी का दिन ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बनेगा जब अयोध्या में भगवान श्रीराम का पर्दापण होगा। पुरे देश भर में इस मंगल क्षण का इंतजार है हर व्यक्ति के मन में उत्साह है और उस क्षण की प्रतिक्षा है। इस दिन पूरे देश का हर घर और हर मंदिर अयोध्या बनेगा जिसमें भगवान पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर भी साक्षी होगा। पशुपतिनाथ मंदिर के निकट स्थित श्रीराम मंदिर पर गनेडीवाल चौरिटेबल ट्रस्ट तथा श्रीराम दीपोत्सव समिति के माध्यम से भव्य उत्सव मनाया जाएगा इस भव्य आयोजन को लेकर एक अनौपचारिक बैठक हुई जिसमें आयोजन की व्यापक तैयारियों पर चर्चा की गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप गनेडीवाल ने बताया कि भगवान श्रीराम के आगमन उत्सव को मंदसौर में भव्य रूप से मनाऐ जाने के लिए 22 जनवरी की संध्या को भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर के समीप स्थित वसीठा धोबी समाज द्वारा प्रतिष्ठित श्रीराम मंदिर में प्रभु श्रीराम की भव्य महाआरती ढोल-नगाडों और जयकारो के साथ की जाएगी तथा शिवना नदी के तीनो घाटो पर एक साथ 51 हजार दीप एक साथ जगमग होंगे। भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित 14 मिनिट का लेसर शो होगा जिसें बैंगलोर में तैयार किया जा रहा है, ढाई मिनिट की डिजिटल आतिशबाजी होगी इसके साथ ही भव्य आतिशबाजी भी होगी और इसके साथ ही प्रसादी का वितरण भी किया जाएगा। आयोजन को सुचारू बनाऐ जाने के लिए स्थल निरीक्षण भी कर लिया गया है। इस अविस्मरणीय क्षण में मंदसौर शहर की विशाल जनमैदनी भी भागीदार बनेगी। इस उत्सव को महोत्सव बनाने के लिए शीघ्र ही मंदसौर के गणमान्यजनों की एक बैठक भी आहूत की जाऐगी जिसमें आयोजन को लेकर व्यापक चर्चा की जाऐगी। श्री गनेडीवाल ने बताया कि इस समारोह में मंदसौर शहर के सभी समाज जनों, सभी वर्गों एवं सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों की उपस्थिति रहेगी तथा उन्हें सादर आमंत्रित किया जाएगा।

वीपीएल: 191 खिलाड़ियों की हुई नीलामी

आईपीएल जैसे टूर्नामिंट खेल चुके प्लेयर बिखेरेंगे जलवे

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। वात्सल्य पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित वात्सल्य प्रीमियर क्रिकेट लीग सीजन दो को लेकर खेल प्रेमियों में खासा उत्साह नजर आ रहा है। दो फरवरी से शुरु होने वाले वीपीएल-2 को लेकर करीब सात सौ खिलाड़ियों ने देशभर से पंजीयन कराया। जिसमें 191 खिलाड़ियों की नीलामी हुई। इसमें वीपीएल की छह टीमों ने कुल नब्बे खिलाड़ियों को खरीदा। महत्वपूर्ण बात यह रही कि इसमें आईपीएल, मुश्ताक अली और रणजी ट्रॉफी जैसे बडे टूर्नामिंट में जलवे बिखेर चुके खिलाडी भी खरीदे गए। अब यह नूतन स्टेडियम में अपना जलवा वीपीएल में बिखेरेंगे। ऑक्शन के दौरान मंदसौर जिला क्रिकेट एसोसिएशन (एमडीसीए) के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

दो फरवरी से शुरु होने वाले वात्सल्य पब्लिक स्कूल के वात्सल्य प्रिमीयर लीग(वीपीएल) सीजन 2 में ऑक्शन प्रक्रिया वात्सल्य पब्लिक स्कूल में पूरी हुई। इसमें सात सौ पंजीकृत खिलाड़ियों में से 191 को ऑक्शन के लिए चुना गया। इसमें देश के कई हिस्सों से आए खिलाड़ियों के साथ मंदसौर के खिलाडी भी शामिल थे। टूर्नामेंट में शामिल छह टीमें मंदसौर इंडियन, मंदसौर मॉवरिक्स, क्रिकेट स्पारटेंस, राज राईडर्स, सफल वारियर्स और मंदसौर स्ट्राइकर के मालिकों ने कुल नब्बे खिलाड़ियों को खरीदा। सभी छह टीमों के मालिकों ने कप्तान का चयन पहले ही कर लिया था। इसके बाद कप्तान और अन्य टीम के महत्वपूर्ण सदस्यों के साथ मिलकर खिलाडियों की बोली लगाकर उन्हें खरीदा। दो फरवरी से भव्य समारोह के साथ दस दिवसीय वीपीएल का शुभारंभ होगा।

सबसे महंगे बिके मुंबई के सुजीत– इसमें सबसे महंगे बिकने वाले खिलाडी की बात करें तो वह मुंबई के सुजीत नायक रहे। उन्हें मंदसौर इंडियन ने खरीदा। सुजीत कई बडे टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुके हैं। वहीं कई बडे खिलाड़ियों के साथ भी खेले हैं। इसके अलावा मंदसौर की बात करें तो यश पाटीदार सबसे महंगे बिके। नीलामी में शामिल हुए छह टीमों के मालिकों और कप्तान सहित इनके सहयोगियों ने बढ चढक़र खिलाड़ियों की बोली लगाई। स्थानीय खिलाडी की बोली पांच हजार से शुरु हुई तो बाहर से आने वाले खिलाड़ियों की बोली बीस हजार रुपए से शुरु हुई।

टक्कर मारने वाले कार ड्राइवर पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। दौरवाड़ा निवासी उदयसिंह सौंधिया ने नारायणगढ थाने शिकायत दर्ज कराई कि उनका बैठा जितेन्द्रसिंह बाइक (एमपी 14 एनई 2353) से जा रहा था, सिंदपन में समरामाता घाटी पर कार (एमपी 14 सीबी 3491) के चालक ने तेज व लापरवाहीपूर्व चलाकर बाइक को टक्कर मार दी, जिससे पैर, छाती, उंगली व कुल्हे में चोंट आई। पुलिस ने कार ड्राइवर मंदसौर निवासी नरेशकुमार त्रिवेदी के खिलाफ केस दर्ज किया।

कांग्रेस अयोध्या निमंत्रण पर पुनर्विचार करे-नाहटा

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। पूर्व मंत्री एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष नरेंद्र नाहटा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री खरगे जी को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि कांग्रेस राम मंदिर प्रतिष्ठा के अवसर पर प्राप्त निमंत्रण को अस्वीकार करने के अपने निर्णय पर पुनर्विचार करे। श्री नाहटा ने कहा प्रतिष्ठा का दिन केवल इसलिए देश को उपलब्ध हो सका है कि वर्ष 1989 में तत्कालीन प्रधान मंत्री राजीव गाँधी जी ने इसके लिए पहल कर मंदिर का ताला खुलवाया था। बाद में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाये गए आंदोलन और उसी के तारतम्य में निकाली गई रथ यात्रा ने केवल समाज का विभाजन किया, विभिन्न धर्मों के बीच दूरिया फैलाई, हिंसा फैली, कार सेवकों को अपनी जान देनी पडी, देश को कलंकित करने वाली गोधरा औरअहमदाबाद जैसी घटनाएं हुई। तब कांग्रेस पार्टी का पक्ष यही था कि समूचे प्रकरण को सुप्रीम कोर्ट पर छोड़ दिया जाए और उसके निर्णय को सभी पक्ष स्वीकार करे।भले ही तब भारतीय जनता पार्टी ने इसे स्वीकार नहीं किया हो, पर अंततः मोदी सरकार ने भी वही रास्ता अपनाया और कोर्ट के आदेश तक प्रतीक्षा की। प्रसन्नता की बात यह भी है कि भले ही मुस्लिम धर्म के अनुयायियों को निर्णय पसंद नहीं आया हो पर उनने भी शांति से निर्णय को स्वीकार किया। देश में होने वाली हिंसा और समाज के विभाजन के ही कारण श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी ने भी कभी आंदोलन या रथ यात्रा में भाग नहीं लिया। उनने अपनी असहमति सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त की।

अब जब कि मामला निपट चुका है तब कांग्रेस कार्यकर्ता यह नहीं समझ पा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व इससे दूर क्यों रहना चाहता है। यह सही है कि प्रधान मंत्री मोदीजी ने इसे राजनैतिक इवेंट बना दिया है, यह भी सही है कि अधूरे मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा केवल आने वाले लोक सभा चुनाव में लाभ के लिए की जा रही है। परन्तु विपक्ष के बाहर रहने से तो उनकी राह औरआसान होगी। श्री नाहटा ने कहा उनकी अनेक मुस्लिम नेताओ से चर्चा हुई है। वे भी इस मत के है कि कांग्रेस कोअपनी उपस्थिति दर्ज करानी चाहिए। श्री नाहटा ने आशा व्यक्त की है कि कांग्रेस पार्टी अपने निर्णय पर पुनर्विचार कर, हिन्दू भावनाओ का सम्मान करते हुए कार्यक्रम में भाग लेगी।

श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर में स्वर्ण कलश आरोहण एवं 108 कुंडीय श्री हनुमंत महायज्ञ की चल रही है भव्य तैयारियां

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। आगामी 20 से 25 जनवरी तक श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर में स्वर्ण कलश आरोहण और 108 कुण्डीय हनुमंत महायज्ञ के महोत्सव की तैयारियां व्यापक रूप से चल रही है। कालाखेत स्थित दया मंदिर परिसर में वैदिक कालीन यज्ञशाला का निर्माण किया गया है जो की बहुत ही अदभुत आकर्षक व सुंदर स्वरूप में निर्मित हुई है और बहुत ही दर्शनीय है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 20 जनवरी को भव्य शोभा यात्रा एवं मातृशक्ति की कलश यात्रा निकाली जाएगी।21 जनवरी से यज्ञ का शुभारंभ होगा रुद्राक्ष माहेश्वरी धर्मशाला में 21 हेमाद्री स्नान एवं उद्धव कथा प्रवचन का आयोजन भी होगा। महायज्ञ की पूर्णाहुति 25 जनवरी को होगी और मंदिर शिखर पर स्वर्ण कलश आरोहण भी 25 जनवरी को होगा।

श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर परिसर के सभागार में मातृशक्ति की एक बैठक भी हुई जिसमें नगर के विभिन्न वार्डों में मातृशक्ति समिति की सदस्य महिलाओं द्वारा निमंत्रण पत्र वितरण की व्यवस्था निश्चित की गई।श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पं. धीरेंद्र त्रिवेदी ने बताया है कि भानपुरा अवांतर पीठ के पूज्य शंकराचार्य जगतगुरु पूज्य स्वामी श्री ज्ञानानंद जी तीर्थ महाराज एवं युवाचार्य श्री वरुणेंद्रजी तीर्थ महाराज के सानिध्य में यह भव्य महोत्सव संपन्न होगा जिसमें भागवत विद्यापीठ सोला अहमदाबाद के पूज्य भागवत ऋषि तथा आचार्य श्री रामानुज राजकोट, आचार्य श्री हरेश भाई शास्त्री अहमदाबाद सम्मिलित भी होंगे। श्री त्रिवेदी ने नगर व अंचल वासियों से सपरिवार इष्ट मित्रों सहित इस दिव्य महोत्सव में सम्मिलित होने का अनुरोध किया है।

अपने घर और गांव को ही अयोध्या मानकर सजाएं

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जनपद पंचायत सभाकक्ष में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत मेरा घर मेरी अयोध्या, मेरा गांव मेरी अयोध्या अभियान को लेकर बैठक का आयोजन हुआ। जपं मंदसौर के अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा ने अभियान से जुडे महत्वपूर्ण बिंदुओं को लेकर चर्चा की। आपने गांव गांव मंदिर एवं धार्मिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान, श्रमदान, सजावट एवं रोशनी सहित अन्य आयोजनों को लेकर दिशा निर्देश दिए। श्री शर्मा ने कहा कि हमें अपने घर और गांव को अयोध्या मानकर सजाना है। 500 वर्षों की प्रतीक्षा का स्वप्न साकार होने जा रहा है। गांव गांव यह महोत्सव भव्य और ऐतिहासिक होना चाहिए। इस अवसर पर एसडीएम श्री शिवलाल शाक्य, सभापति श्रीमती रीता सुभाष जैन, वीरम धनगर, रामप्रसाद नायक, देवीलाल सिसोदिया, जगदीश राठौर, भगत पटेल, पुष्कर शर्मा, रामप्रसाद वर्मा, ईश्वर सिंह पवार, लोकेश दुबे आदि जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर कीर्तन का अरूल अशोक गंगानगर ने किया स्वागत

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सिख्ख समाज के दसवें गुरूजी श्री गुरु गोविंदसिंहजी की जयंति के मौके पर रविवार को शहर के प्रमुख मार्गों से नगर कीर्तन (जुलूस) निकला। नगर कीर्तन में फूलों से सजी पालकी पर बाबाजी सवार थे। शहर के जैन भवर रोड बंगला नंबर 48 स्थित अविनाश ग्रुप के सामने अरूल अशोक गंगानगर द्वारा नगर कीर्तन का जोरदार आतिशबाजी कर भव्य स्वागत किया गया। जुलूस में शामिल सैकडों महिला—पुरुष और बच्चों पर अविनाश ग्रुप के दफ्तर से फूलों की बारिश की गई। वहीं ऑफिस के सामने हलवा प्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर और उनके पुत्र अरूल अरोरा द्वारा सिख्ख समाज के वरिष्ठजनों का स्वागत किया गया। विशेष पालकी पर सवार बाबाजी को पुष्प अर्पित किए। उल्लेखनीय है कि श्री गुरु गोविंदसिंह जी की जयंति 17 जनवरी को है, इस मौके पर रविवार को दोपहर करीब 12 बजे गुरूद्वारे से नगर कीर्तन शुरू हुआ और बाबाजी प्रजा का हाल जानने के लिए निकल पडे। वीर पार्क रोड होते हुए फोर जीरो और टैगोर मार्ग, पुस्तक बाजार होते हुए शाम को नगर कीर्तन का वापस गुरूद्वारे के यहां समापन हुआ। जयंति के दिन 17 जनवरी को गुरूद्वारे में सुबह से लेकर देर रात तक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

नपा का समग्र स्वच्छता अभियान प्रारंभ

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका द्वारा 12 जनवरी शुक्रवार से सम्पर्ण नगर मे समग्र स्वच्छता अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान 24 जनवरी तक चलेगा। इसके अन्तर्गत प्रतिदीन दो या दो से अधिक वार्डो की सफाई की जा रही है। अभियान के प्रथम एवं द्वितीय दिवस 12 व 13 जनवरी को वार्ड क्रमांक 22, 06, 07, 09, 23, 26, व 29 मे स्वच्छता कार्य किया गया। नगर पालिका परिषद के द्वारा वार्डक्रमांक 26 मे भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर परिसर एवं शिवना नदी के घाटो की भी सफाई की गई तथा सफाई मे निकले कचरे व मलवे को ट्रेक्टर ट्रॉली के माध्यम से टीचिंग ग्राउण्ड भिजवाया गया। श्रीमति रमादेवी गर्जर, स्वास्थ्य समिति की सभापति श्रीमति दीपमाला मकवाना ने नगरवासियों से आगह किया है की वे स्वच्छता के कार्य मे नगर पालिका का सहयोग करे तथा घर के कचरे को नगर पालिका के कचरा वाहन मे ही डाले तथा गिले व सुखे कचरे को प्रथक प्रथक वाहन मे रखे।

पतंगबाजी स्पर्धा का आयोजन

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। दशपुर विद्यालय में शनिवार को गतिविधि कालखंड के अंतर्गत कक्षा 4 से कक्षा 7 तक के छात्राओं के लिए पतंगबाजी स्पर्धा का आयोजन किया गया। विद्यालय के एक्टिविटी इंचार्ज निखिलेश पालरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय के नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों के लिए मकर संक्रांति के पावन अवसर पर पतंगबाजी स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं का उत्साह काबिले तारीफ था। इस हेतु विद्यार्थी घर से रंग-बिरंगी पतंगे लेकर आए। स्पर्धा के दौरान देखते ही देखते पूरा आसमां रंग बिरंगी पतंगों से भर गया। कई छात्र-छात्राओं की पतंगे कटी पर दुगने उत्साह के साथ पुनः पतंग उड़ाई और एक और प्रतिभा का परिचय दिया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य प्रिंसवीं थॉमस, संस्था सुपरवाइजर श्री हाकिमप्रसाद शर्मा समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

मोदी सरकार सभी वर्ग के लिए कर रही कार्य-गुप्ता

सांसद ने विकसित भारत संकल्प यात्रा में की सहभागिता

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सांसद सुधीर गुप्ता ने संसदीय क्षेत्र की मल्हारगढ़ विधानसभा के ग्राम गोपालपुरा एवं जावद विधानसभा के ग्राम केशरपुरा में में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में सहभागिता कर ग्रामवासियों से केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में चर्चा की, और विकसित भारत बनाने की शपथ दिलाई।

सांसद गुप्ता ने कहा कि केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकार जन-जन के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है, जिसका पात्रता के अधार पर देशवासियो को लाभ मिल रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान संचालित एलईडी वैन मोदी की ग्यारंटी बन लोगों को लाभांवित कर रही है। सांसद गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार सभी वर्ग के लिए कार्य कर रही है और उनके उत्थान के लिए योजनाएं संचालित की जा रही है। आयुष्मान कार्ड से जहां गरीब को 5 लाख का निःशुल्क उपचार मिल रहा है तो वही माताओं को गैस कनेक्शन सहित बडी संख्या में जन-धन खातों में खाते खोले गए। किसानों को पीएम स्वनिधि का लाभ मिल रहा है।

गिल्ली डंडे का लुत्फ उठाया– इसी के साथ ही सांसद सुधीर गुप्ता ने मकर संक्राति के अवसर पर स्थानीय कॉलेज ग्राउंड पर नागरिको और कार्यकताओं के साथ गिल्ली डंडे का लुत्फ भी उठाया। सांसद गुप्ता ने क्षेत्रवासियों को मकर संक्रांति की बधाई देते हुए कहा कि पुण्य, स्मरण का यह पर्व सभी के जीवन में खुशियां लेकर आएं। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष पवन पाटीदार, उपाध्यक्ष सुनील कटारिया, शरामसिंह जाट, मदनसिंह जाट, सरपंच रमेशचंद्र धाकड, मंडल अध्यक्ष राजेंद्रसिंह राणा, पुर्व मंडल अध्यक्ष राजकुमार गौड, महामंत्री सुनील शर्मा, गोविन्द कंडारा, यात्रा प्रभारी बापूलाल गायरी, राजेश पाटीदार, सहित पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता, प्रशासनिक अधिकारी एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

कमलाबाई का निधन, शवयात्रा आज

नाहरगढ़, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। समाजसेवी 92 वर्षीय कमला बाई जैन (तेलवाला) का आज दिनांक 14/01/2024 संथारा के साथ देवलोकगमन हो गया है जिनकी अंतिम यात्रा उनके निज निवास सदर बाजार नाहरगढ से सुबह 9:00 बजे निकलेगी। स्व कमला बाई बहुत ही धार्मिक प्रवृत्ति वाली महिला थी, जो नित्य अपना कार्य स्वयं ही करती थी एवम् धर्मप्रयाण थी।

समाज व देश धरती मां की तरह होते हैं-शर्मा

दशम ब्रह्म सम्मेलन सम्पन्न

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। आज व्यक्ति बड़ा ही स्वार्थी हो गया है। वह संकट के समय समाज से सहयोग तो चाहता है किंतु जब समाज को उसके सहयोग की आवश्यकता होती है तो वह कोई ना कोई बहाना बनाकर बच निकलने का प्रयास करता है। जबकि समाज व देश हमारी धरती माँ की तरह होते हैं। जिस तरह धरती में हम एक बीज बोते हैं उसके प्रतिफल स्वरूप में कई गुना अन्न धरती माँ हमें प्रदान करती है। यही बात हमारे समाज व देश पर भी लागू होती है। हम समाज व देश को जितना योगदान देंगे उससे कई गुना हमें वापस मिलता है। इस बात को हम जितना जल्दी समझ लेंगे उतना ही हमारे लिए कल्याणकारी होगा।

उक्त विचार समाजसेवी एवम शिक्षाविद श्री नानालाल शर्मा ने रखे। वे श्री परशुराम धाम, परशुराम नगर (मन्दसौर) में ब्रह्म परिषद द्वारा दिनांक 14 जनवरी 2024, रविवार को आयोजित दशम 'ब्रह्म सम्मेलन' में 'समाज व देश के प्रति हमारा दायित्व' विषय पर बोल रहे थे। अपनी बात को विस्तार देते हुए उन्होंने कहा कि समाज के लिए प्रत्येक व्यक्ति यथासंभव अवश्य योगदान दें क्योंकि यदि समाज विकास करता है तो आप देश के विकास व उसे शक्तिशाली बनाने में ही योगदान देते हैं। हमारा देश विभिन्न समाजों से मिलकर ही बना है और देश के विकास में सभी का दायित्व है। इस अवसर श्री सुनील व्यास ने कहा कि कर्मठता व निःस्वार्थ भाव से किया गया कार्य हमें सफल बनाता है। ब्रह्म सम्मेलन में डॉ. घनश्याम बटवाल ने उपस्थित ब्रह्मजनों को समाजसेवा की शपथ दिलाई। ब्रह्म सम्मेलन में समाज के प्रति समर्पण भाव से योगदान के लिए श्री धीरेन्द्रजी त्रिवेदी, श्री सुरेशचन्द्रजी शर्मा, मन्दसौर व 'ब्रह्मदूत' श्री नानालालजी शर्मा, देहरी को शॉल एवम प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाज में जागरूकता लाने के लिए सतत कर्मठता से कार्य करने वाले पं. ओमप्रकाशजी मोड चतुर्वेदी, कपिल शर्मा, जगदीश आमेटा (प्रतापगढ़) व डॉ. प्रभुदयाल पालीवाल को 'ब्रह्मवीर' सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज की प्रतिष्ठित 'ब्रह्म परिचय पत्रिका' का समस्त ब्राह्मण समाज प्रतिनिधियों के करकमलों द्वारा विमोचन किया गया। ब्रह्म सम्मेलन का शुभारंभ सुश्री सूर्या व ऋषि कुमार द्वारा वेद मंत्रोच्चार से किया गया। आयोजन में मध्यप्रदेश व राजस्थान के अनेक नगरों व गांवों के ब्रह्मजनों ने भाग लिया। संचालन संस्थापक गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया व आभार श्री सुनील व्यास ने माना।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in